रांची, शुक्रवार, 13 मार्च 2026
संवत 2082, चैत्र कृष्ण 10 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 177 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

अदा शर्मा के पास 1 महीने से काम नहीं 6

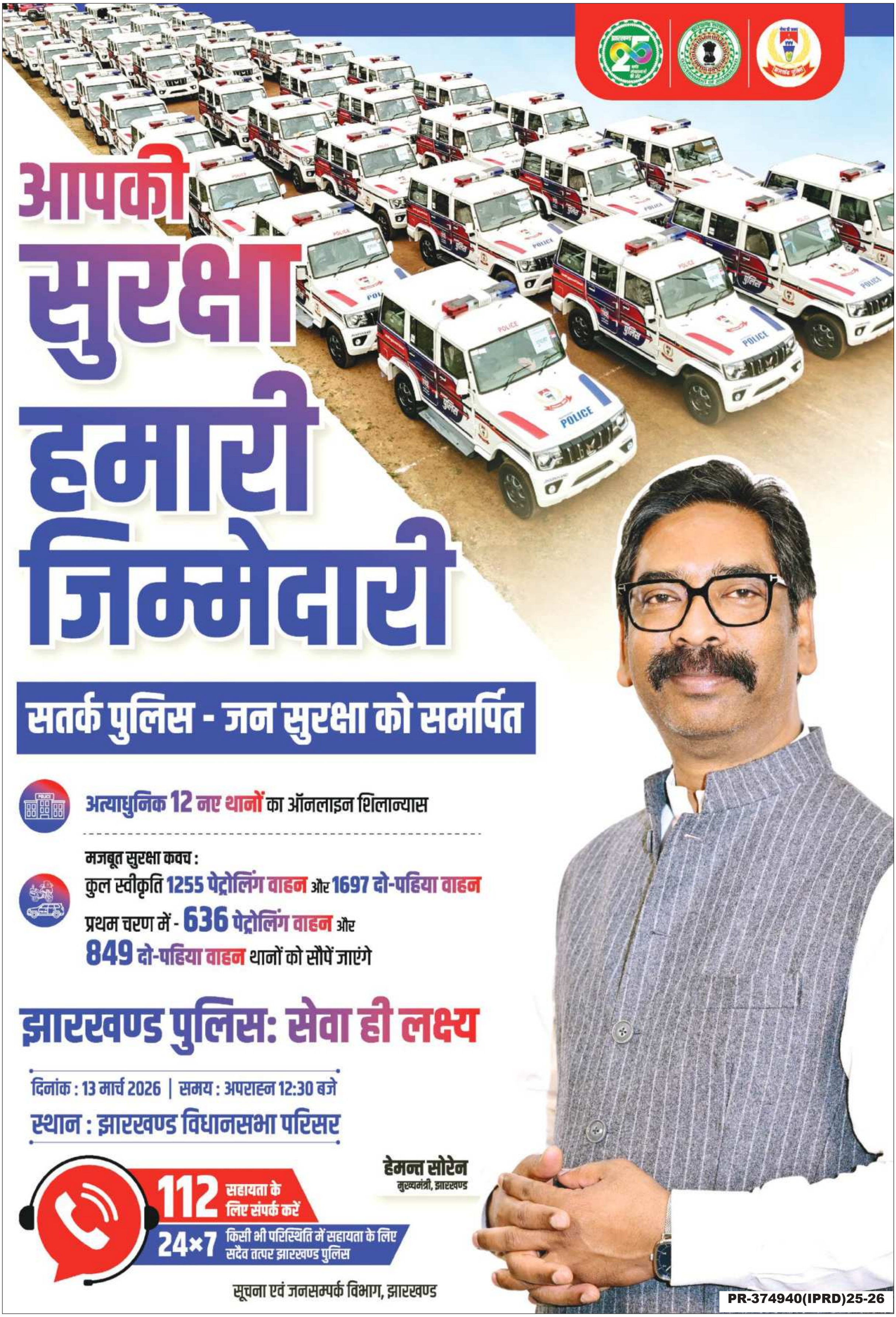

आपकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी

सतर्क पुलिस - जन सुरक्षा को समर्पित

अत्याधुनिक 12 नए थानों का ऑनलाइन शिलान्यास

मजबूत सुरक्षा कवच :
कुल स्वीकृति 1255 पेट्रोलिंग वाहन और 1697 दो-पहिया वाहन
प्रथम चरण में - 636 पेट्रोलिंग वाहन और
849 दो-पहिया वाहन थानों को सौंपें जाएंगे

झारखण्ड पुलिस: सेवा ही लक्ष्य

दिनांक : 13 मार्च 2026 | समय : अपराह्न 12:30 बजे
स्थान : झारखण्ड विधानसभा परिसर

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

112 सहायता के लिए संपर्क करें
24×7 किसी भी परिस्थिति में सहायता के लिए सदैव तत्पर झारखण्ड पुलिस

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

PR-374940(IPRD)25-26

जल महोत्सव पखवाड़ा के तहत प्रखंड स्तरीय कार्यशाला

चतराः जिले में चल रहे जल महोत्सव पखवाड़ा (08 मार्च 2026 से 22 मार्च 2026) के अंतर्गत गुरुवार को चतरा प्रखंड सभागार में रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं सोखता गड्ढ़ा निर्माण विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला योजना पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चतरा द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला योजना पदाधिकारी ने जल के सदुपयोग और इसके संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने पर बल दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने पृथ्वी पर उपलब्ध जल संसाधनों की स्थिति एवं उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।वही, कार्यपालक अभियंता ने जल महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा जल संरक्षण और जल के विवेकपूर्ण उपयोग में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने में महिलाओं की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रम के दौरान जिला समन्वयक एवं जिला समन्वयक द्वारा पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उपस्थित जलसहिया एवं आंगनवाड़ी सेविकाओं को जल महोत्सव पखवाड़ा के उद्देश्य, गतिविधियों तथा जल संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करने में महिलाओं की भूमिका और उनके प्रयासों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।साथ ही सभी जलसहिया एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं को निर्देश दिया गया कि सोखता गड्ढा निर्माण के लिए ग्राम सभा के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों का चयन करते हुए उसे जीपीडीपी में दर्ज कराना सुनिश्चित करें।कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, चतरा, डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट एसोसिएट, नीति आयोग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सभी कनीय अभियंता, प्रखंड समन्वयक, जलसहिया एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को जल संरक्षण के प्रति संकल्पित करते हुए जल शपथ भी दिलाई गई।

दावत-ए-इफ्तार में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने पहनाई टोपी

रांचीः पवित्र माह रमजान के अवसर पर आयोजित दावत-ए-इफ्तार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल हुए। इस मौके पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मुख्यमंत्री को टोपी पहनाकर उनका स्वागत किया।

इफ्तार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोजेदारों और गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान रोजा इफ्तार के बाद लोगों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी और राज्य की खुशहाली तथा अमन-चैन के लिए दुआ की। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में एकता और आपसी सद्भाव को मजबूत करते हैं।

स्कॉर्पियो सवारों ने युवक का किया अपहरण मारपीट कर मांगी 20 लाख रंगदारी

रांचीः जिले के सदर थाना क्षेत्र में एक युवक के अपहरण, मारपीट और रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 12 मार्च 2026 की शाम करीब 5 बजे पीड़ित अपने गांव के पास खड़ा था। इसी दौरान स्कॉर्पियो (नंबर जेएच01जीए-5656) से आए कुछ लोगों ने पहले उसे कुचलने का प्रयास किया और फिर जबरन गाड़ी में बैठाकर अपने साथ ले गए। आरोप है कि गाड़ी में बैठाने के बाद आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने उससे 20 लाख रुपये की रंगदारी की मांग की और रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। बाद में किसी तरह आरोपियों ने उसे छोड़ दिया, जिसके बाद पीड़ित ने सदर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई।

मामले में पीड़ित ने सुल्तान अंसारी, मुनताजर आलम, फिरोज अहमद और कैसर अहमद समेत अन्य लोगों को आरोपी बनाया है।

पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

सदन में उठी एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग

मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा- सरकार काम कर रही है

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग एक बार फिर जोर-शोर से उठी। इस मुद्दे को लेकर सदन में सरकार से जवाब भी मांगा गया।

विधायक प्रदीप पकुमार ने सदन में सवाल उठाते हुए पूछा कि राज्य में अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट

लागू करने को लेकर सरकार क्या पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि वकीलों की सुरक्षा एक गंभीर विषय है और इस पर सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

इस पर जवाब देते हुए मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि यह मामला इंडियन बार काउंसिल से जुड़ा हुआ है और इस विषय पर विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल इस संबंध में सरकार ने कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है, लेकिन अधिवक्ताओं के कल्याण और सुरक्षा के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

इस दौरान विधायक सीपी सिंह ने भी सरकार से सवाल करते हुए पूछा कि क्या सरकार एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट बनाने जा रही है और यदि ऐसा है तो इसे कब तक लागू किया जाएगा।

इस पर मंत्री दीपक बिरुआ ने दोहराया कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर है और इस विषय पर संबंधित संस्थाओं के साथ चर्चा जारी है। सरकार अधिवक्ताओं के हित और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

गेल इंडिया कंपनी की घरेलू गैस पाइपलाइन में लगी आग, मची अफरा- तफरी

मेट्रो रेज

रांची : तुपुदाना के रावण दहन मैदान में गेल इंडिया कंपनी की घरेलू गैस पाइपलाइन में आग लग गई। शुरू में छोटी दिख रही आग धीरे-धीरे विकराल रूप ले गई। ऊंची-ऊंची लपटें और काला धुआं आसमान में फैल गया, ऐसा लगा मानो दिन में ही रात छा गई हो।

आफरा-तफरी और लोग घटनास्थल पर पहुंचेः आग की लपटें देखकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर बढ़ने लगे। अफरा-तफरी का माहौल रिंग रोड तक फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही तुपुदाना पुलिस ने तुरंत सिटी कंट्रोल रूम में अग्निशमन टीम को सूचना दी।

अग्निशमन विभाग की कार्रवाईः प्लास्टिक पाइप होने के कारण आग तेजी से बढ़ रही थी और लगभग 1 घंटे तक लगातार जलती रही। अग्निशमन गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया। आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि तुपुदाना बालसिलिंग रोड पर लगे पथ निर्माण विभाग के गेट तक जल गए, गेट पर लिखा नाम और दूरी का विवरण नष्ट हो गया।

धुआं और स्वास्थ्य पर असरः आग बुझने के बाद भी चारों तरफ काला धुआं फैला हुआ था, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। प्रशासन ने लोगों को आग से दूर रहने के निर्देश दिए।

गेल इंडिया की योजना पर बड़ा झटकाः गेल इंडिया कंपनी द्वारा घर-घर गैस कनेक्शन पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना को इस आग से बड़ा झटका लगा है। इलाके में पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा था और कुछ दिन पहले ही रावण दहन मैदान में बड़े कंटेनर में कई पाइप रखे गए थे। कंपनी के कर्मचारी रोजाना इन्हें उठाकर घरों तक कनेक्शन देने का कार्य कर रहे थे।

जांच का आदेशः तुपुदाना पुलिस ने कहा कि आग कैसे लगी, इसकी जांच की जाएगी। फिलहाल किसी तरह का लिखित विवरण कंपनी की ओर से प्राप्त नहीं हुआ है।

रांची में ईद की धूमः बाजारों की बढ़ी रौनक, स्वादिष्ट व्यंजनों की भरमार

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में ईद की तैयारियां जोरों पर है। दुकानों में रौनक बढ़ गई है। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में चहलपहल का माहौल है। शाम होते-होते बाजारों में रौनक बढ़ जाती है, मस्जिदों के आसपास लोगों की भीड़ दिखाई देती है और इफ्तार के समय तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों की खुशबू हवा में फैल जाती है। रोजा खोलने के बाद लोग परिवार और मित्रों के साथ बाहर निकलकर लजीज पकवानों का आनंद लेना पसंद करते हैं। अगर आप भी रमजान के दौरान रांची में बेहतरीन खाने का स्वाद लेना चाहते हैं, तो शहर में कई ऐसी जगहें हैं जहां का खाना बहुत मशहूर है। सबसे पहले बात करते हैं डा फतुलाह

रोड की। रमजान के समय यहां की सडकें खाने के शौकीनों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं लगतीं। शाम ढलते ही यहां की दुकानों पर चिकन कबाब, रोसट, शर्बत, जलेबी राबड़ी , कचौरी, हलिम जैसे व्यंजन तैयार होने लगते हैं।

यहां आने वाले लोग खास तौर पर गर्मागर्म कबाब और सुगंधित चिकन रोस्ट का स्वाद लेने के लिए दूर-दूर से पहुंचते हैं। इफ्तार के बाद यहां का माहौल बहुत जीवंत और उत्सव जैसा हो जाता है। इसी तरह मेन रोड रतन टाकिज , कर्बला चौक का इलाका भी खाने के शौकीनों के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां कई पुराने भोजनालय हैं जो वर्षों से अपने खास व्यंजनों के लिए जाने जाते हैं। यहां की बिरयानी, मलाईदार कबाब और सुगंधित हलिम लोगों को बहुत पसंद आते हैं। रमजान के दिनों में यहां विशेष व्यंजन भी तैयार किए जाते हैं, जिन्हें खाने के लिए लोगों की लंबी कतारें लग जाती हैं। अगर आप खाने के शौकीन हैं और रमजान के दौरान रांची में हैं, तो इन जगहों पर जरूर जाएं। यहां आपको स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ-साथ शहर की पुरानी परंपराओं और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। रमजान का यह समय रांची में खाने और खुशियों का अनोखा उत्सव बन जाता है, जिसे एक बार जरूर अनुभव करना चाहिए।

रांची में गैस की कमी नहीं, मैनुअल बुकिंग के लिए फोन नंबर जारी

रांचीः राजधानी रांची में गैस उपभोक्ताओं को इन दिनों गैस सिलेंडर बुकिंग में तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को देखते हुए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) या इंडेन ने उपभोक्ताओं के लिए मैनुअल बुकिंग की व्यवस्था शुरू की है। कंपनी के सर्वर में अपग्रेडेशन की प्रक्रिया चल रही है, जिसके कारण ऑनलाइन और सामान्य बुकिंग सेवा अस्थायी रूप से प्रभावित हुई है।

सर्वर अपग्रेडेशन के कारण आई तकनीकी समस्याः आईओसीएल के अधिकारियों ने बताया कि हाल के दिनों में गैस सिलेंडर बुकिंग की संख्या काफी बढ़ गई है। अधिक लोड के कारण कंपनी के सर्वर में तकनीकी समस्या आने लगी थी। इसी वजह से सर्वर को अपग्रेड करने का निर्णय लिया गया है। सर्वर अपग्रेडेशन का काम तेजी से किया जा रहा है, ताकि उपभोक्ताओं को जल्द से जल्द सामान्य बुकिंग सुविधा मिल सके। कंपनी का कहना है कि जैसे ही अपग्रेडेशन का काम पूरा होगा, ऑनलाइन और ऑटोमेटेड बुकिंग प्रणाली फिर से पहले की तरह शुरू कर दी जाएगी।

रांची में डेढ़ लाख से अधिक इंडेन गैस उपभोक्ताः कंपनी के अनुसार, रांची जिले में इंडेन गैस के करीब डेढ़ लाख उपभोक्ता हैं। इतनी बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के कारण बुकिंग सिस्टम पर दबाव बढ़ जाता है। हालांकि, कंपनी ने साफ किया है कि गैस की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं है। आईओसीएल के अधिकारियों ने बताया कि प्रतिदिन पहले की तरह लगभग 10,500 गैस सिलेंडरों की डिलीवरी उपभोक्ताओं तक पहुंचाई जा रही है। यानी गैस की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य है और उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है।

घबराहट में बुकिंग करने से बचेंः कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराकर बार-बार गैस सिलेंडर की बुकिंग न करें। कई बार तकनीकी समस्या के कारण उपभोक्ता एक ही सिलेंडर के लिए बार-बार बुकिंग करने की कोशिश करते हैं, जिससे सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव बढ़ जाता है। आईओसीएल का कहना है कि गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और सभी उपभोक्ताओं तक नियमित रूप से सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है।

अदिति इंडेन	: 7762920033, 7352711020
शांतनु इंडेन	: 9431357871, 9304355563
देवी गैस	: 9835442494, 9693503031
आनंद गैस	: 9603045000, 9279081713
अल्पना इंडेन	: 9835156074, 8789572926
रांची गैस	: 9708788000, 9264249483
उरांव गैस डिस्ट्रिब्यूटरः	8210675171, 8210974502
झलक इंडेनः	8986643888, 9835906302
बारियातू इंडेनः	8294727527, 7808782500
इंद्रप्रस्थ गैसः	9835149400, 9955361339
टाटासिलवे इंडेनः	9835910816, 7903209760
ओरमांझी इंडेनः	9308080951, 9709269265
सिटी इंडेनः	9430376633, 8434013040
एफएफसीसीएसः	9334721626, 8448674159
माधुरी इंडेनः	9470193803, 9507035277
जयंत गैसः	9431115028
प्रताप इंडेनः	6205562676, 9006643039
जीके इंडेनः	9334917448, 6201206442
आरव इंडेनः	6514667727
सुमति गैसः	7903625376
झारखंड स्टेट फूड एंड सिविल सप्लाईः	6512251098

कोहिनूर बैंक्वेट हॉल में इफ्तार मिलन समारोह कल

हजारीबागः हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री हरे कृष्ण महाराज की अध्यक्षता में आज हजारीबाग में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पवित्र रमजान माह के अवसर पर क्षेत्र में शांति, सौहार्द और भाईचारे के वातावरण के लिए सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा समाज में कौमी एकता और आपसी सद्भाव को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। बैठक के दौरान आगामी इफ्तार मिलन समारोह के आयोजन को लेकर पार्टी के वरिष्ठ सदस्य शमीम अख्तर के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर संतोष जायसवाल एवं इंदल शर्मा भी उपस्थित रहे। निर्णय लिया गया कि यह इफ्तार मिलन समारोह 14 मार्च को कोहिनूर बैंक्वेट हॉल, हजारीबाग में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद कमाल परवेज करेंगे। उनके आगमन से कार्यकर्ताओं एवं युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर युवा प्रदेश अध्यक्ष हरे कृष्ण महाराज ने कहा कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) सदैव सामाजिक समरसता, कौमी एकता और भाईचारे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और संगठन की मजबूती के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने हजारीबाग के सभी सम्मानित नागरिकों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस इफ्तार मिलन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर एकता, सद्भाव और भाईचारे के इस पावन अवसर को सफल बनाएं।

पांच दिवसीय श्री राम कथा : वरिष्ठ श्री राम कथा वाचक संगीत माधव दास पहुंचे रांची, स्वागत

रांचीः हरे कृष्ण सत्संग ग्रुप नार्थ लक्ष्मीनगर की ओर से पिस्का मोड़,रातु रोड स्थित हरे कृष्णा मार्ग नॉर्थ लक्ष्मीनगर में श्री राम कथा का आयोजन किया गया है। मथुरा वृंदावन के वरिष्ठ संगीत माधव दास द्वारा श्री राम जी का कथा वाचन होगा। वे रामचरितमानस के बालकांड, अयोध्या कांड,अरण्यकांड, किष्किंधा कांड,सुंदरकांड,उत्तरा काण्ड पर विस्तृत रूप से कथा सुनाएंगे। कथा आयोजन समिति के रामराज्य दास,श्रीरामचंद्र दास,पंकज लाल,राम रतन शर्मा, शिव किशोर शर्मा,ओमप्रकाश वर्णवाल,रंजन अग्रवाल,प्रभु पंडित जी,सुजीत कुमार, कलावती देवी,रीता देवी, हरिशंकर चौधरी, मनोज कुमार ने बताया श्री राम कथा की पूरी तैयारी कर ली गई है कथा स्थल पर 13 मार्च से 17 मार्च तक श्री संगीत माधव दास द्वारा कथा सुनाई जाएगी।

सीपी चौधरी ने डीवीसी द्वारा झारखंड से लेखा अनुभाग को पश्चिम बंगाल ले जाने का मामला उठाया ,कहा-

केंद्र सरकार तत्काल करे हस्तक्षेप, वित्तीय निर्णयों में हो सकता है विलंब

मेट्रो रेज

रांचीः आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष व गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) द्वारा झारखंड राज्य की इकाइयां बीटीपीएस (बोकारो ताप विद्युत स्टेशन) सीटीपीएस (चंद्रपुर ताप विद्युत स्टेशन) केटीपीएस (कोडरमा ताप विद्युत स्टेशन) एवं मैथन, पंचेत, कोनार जल विद्युत संयंत्र के लेखा अनुभाग को पश्चिम बंगाल स्थानांतरित किये जाने के निर्णय का मामला संसद में उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार और विद्युत मंत्रालय तत्काल इस निर्णय पर हस्तक्षेप करते हुए लेखा अनुभाग को पूर्व की भांति झारखंड के संयंत्र में ही रहने देने की मांग की। उन्होंने नियम 377 के तहत यह मामला उठाते हुए सदन में कहा कि लेखा अनुभाग को पश्चिम बंगाल में स्थानांतरित किए जाने के निर्णय से लेखा नियंत्रण, पारदर्शिता, वित्तीय समन्वय एवं स्थानीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न हो रहा है। लेखा अनुभाग झारखंड में ही उपलब्ध रहने से स्थानीय इकाई के खर्च ,नीतिगत निर्णयों, ऑडिट एवं जवाब देही प्रक्रियाओं में सुधार आता है तथा स्थानीय हित धारकों, संविदा करों और कर्मचारियों के लिए स्पष्टता सुनिश्चित होती है और झारखंड के कर्मचारियों और स्थानीय को लेखा अनुभाग संबंधी संबंधित कार्य के लिए बार-बार पश्चिम बंगाल जाना कहीं से भी तर्कसंगत नहीं है। झारखंड के सभी संयंत्र का लेखा अनुभाग का स्थानांतरित पश्चिम बंगाल में जाने से वित्तीय निर्णयों में विलंब, स्थानीय निरीक्षण तथा जवाब देही में विघटन तथा संसाधन प्रबंधन में असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

केन्द्रीय ऊर्जा सचिव ने सांसद को रांची में डीवीसी का क्षेत्रीय कार्यालय खोलने की दी जानकारी

रांचीः आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष व गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने नई दिल्ली में केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल से मुलाकात कर डीवीसी से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। सांसद ने बैठक के दौरान डीवीसी के कार्यों में हो रही अनियमितताओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से इस बात को उठाया कि राख (ऐश) के अत्यधिक भंडारण के कारण डीवीसी के कुछ विद्युत संयंत्रों को बंद करना पड़ रहा है, जिससे बिजली उत्पादन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सांसद ने यह भी मांग की कि डीवीसी का मुख्यालय रांची स्थानांतरित किया जाए, क्योंकि डीवीसी की अधिकांश परियोजनाएं और गतिविधियां झारखंड में स्थित हैं। रांची में मुख्यालय स्थापित होने से प्रशासनिक समन्वय और कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।

इसके साथ ही उन्होंने डीवीसी के लेखा अनुभाग को झारखंड से पश्चिम बंगाल स्थानांतरित किए जाने के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से प्रशासनिक कार्यों में असुविधा हो रही है तथा स्थानीय स्तर पर समन्वय प्रभावित हो रहा है। सांसद ने इस निर्णय पर पुनर्विचार कर लेखा अनुभाग को झारखंड में ही रहने पर जोर दिया। बैठक के दौरान ऊर्जा सचिव ने सांसद को यह जानकारी दी कि डीवीसी द्वारा रांची में एक क्षेत्रीय कार्यालय खोलने की योजना बनाई जा रही है, जिससे क्षेत्र में कार्यकुशलता बढ़ेगी और बेहतर समन्वय होगा।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूँटी

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

T. Reference No. :- DWSD/KH-16/2025-26 (1ST Call) Date-12.03.2026

Sl. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs.)	Bid Security(Rs.)	Cost of BOQ (Rs.)	Time of Completion
1	Repairing of S.D.O. Office, Executive Engineer Rest House, Division Office, 1 No. Garrage at Division Office Campus under D.W. & S. Division, Khunti for the Year 2025-26.	9,99,812.00	20,000.00	1250.00	15 Days
A)	Date of Publication Tender	13.03.2026/ upto 10.00 AM.			
B)	Date & Time for Sale of Tender Doc.	13.03.2026/ 10:00 A.M. to 19.03.2026/12:30 PM			
C)	Last date / Time for receipt Earnest Money & Cost of BOQ & Tender Doc. (Hard Copy)	19.03.2026/ 01.30 PM to 02.30 PM			
D)	Place for receiving tender fee & EMD (Hard Copy)	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Khunti.			
E)	Date of Opening of Tender	19.03.2026/03.30 PM.			
F)	Place of Opening Tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Khunti.			
G)	Name & Address of Tender inviting Authority	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Khunti.			
H)	Contact No. of Procurement Office	06528-299928			

नोट :– विशेष जानकारी के लिये वेबसाईट– http://dwsdjharkhand.gov.in या विभागीय Linc http://103.107.59.103/dwsdtenders/Home.aspx पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूँटी।

PR.NO.374858 Drinking Water and Sanitation(25-26):D

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 13 मार्च 2026

संवत 2082, चैत्र कृष्ण 10 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 177 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

अदा शर्मा के पास 1 महीने से काम नहीं 6

झारखंड पुलिस के बेड़े में शामिल हुए 1485 नए वाहन, मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

▸ थानों को मिलेगी अब जर्जर गाड़ियों से मुक्ति ▸ अत्याधुनिक 12 थानों का किया ऑनलाइन शिलान्यास

जिले को कितने मिले बोलेरो वाहन

रांचीः 80, जमशेदपुरः 51, धनबादः 40,चाईबासाः 40, बोकारोः 39,गिरिडीहः 32,पलामू:31,हजारीबागः 28,देवघरः28,गुमलाः 22, गढ़वाः21,दुमकाः 20,चतराः 19, सरायकेलाः 19, लातेहारः 18, गोड्डा :17, सिमडेगाः15, जामताड़ाः 14, खूंटीः 14, कोडरमाः 14, लोहरदगाः 14, साहिबगंजः 14, रामगढ़ः 13, पाकुड़ः 11, कुल 614.

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड पुलिस की कार्यप्रणाली को हाईटेक बनाने और गश्ती व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में शुक्रवार यानी आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। सीएम हेमंत सोरेन ने विधानसभा परिसर से 1485 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पहल से पुलिसकर्मियों को पुरानी और जर्जर गाड़ियों से निजात मिलेगी और राज्य में अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी। राज्य सरकार द्वारा पुलिस आधुनिकीकरण के तहत उठाए गए इस कदम को अब तक का सबसे बड़ा आवंटन है। कुल 1485 वाहनों में 636 चार पहिया पेट्रोलिंग वाहन (महिंद्रा बोलेरो बीएस-6 मॉडल) और 849 दो पहिया वाहन शामिल हैं। उल्लेखनीय है, कि सरकार ने कुल 1255 पेट्रोलिंग और 1697 दो पहिया वाहनों की स्वीकृति दी है, जिसके पहले चरण का वितरण आज हुआ। 636 बोलेरो में से 614 गाड़ियां सीधे अलग -अलग जिलों को भेजी गई। जबकि शेष क्यूआरटी और अन्य विशेष इकाइयों को सौंपी गई।

12 अत्याधुनिक थानों का भी हुआ शिलान्यासः वाहनों के वितरण के साथ-साथ मुख्यमंत्री ने राज्य के बुनियादी ढांचे को भी मजबूती दी। मुख्यमंत्री ने 12 नए अत्याधुनिक थाना भवनों का ऑनलाइन शिलान्यास किया। हजारीबाग, बोकारो, देवघर, धनबाद, गढ़वा, गिरिडीह, पलामू, पूर्वी सिंहभूम, गुमला, रांची, दुमका और चतरा जिला में इन थानों का निर्माण किया जाएगा। इन अत्याधुनिक थानों में एक ही भवन के भीतर चार विशेष पुलिस स्टेशन संचालित होंगे।

बिना नोटिस गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट सख्त, कहा-

अवमानना याचिका सुनवाई योग्य

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने एक फैसले में पुलिस की मनमानी हिरासत पर सख्ती दिखाई है। साथ ही, कोर्ट ने कलिम अंसारी की अवमानना याचिका को सुनवाई योग्य माना है। हाईकोर्ट ने बिना नोटिस गिरफ्तारी से जुड़े एक मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि पुलिस सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करती है तो उसके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई की जा सकती है। यह टिप्पणी हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद एवं न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट ने कलीम अंसारी से जुड़े अवमानना मामले की सुनवाई के दौरान की।

खंडपीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अर्नेश कुमार फैसले के पैरा-11.7 में स्पष्ट है कि यदि इन निर्देशो का पालन नहीं किया जाता है तो संबंधित हाईकोर्ट पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014) में साफ निर्देश है कि 7 साल से कम सजा वाले अपराधों में नोटिस जरूरी है, ताकि आरोपी जांच में सहयोग कर सके। नोटिस दो हफ्ते में जारी न करने पर पुलिस अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई और हाईकोर्ट में अवमानना का मुकदमा चल सकता है। कोर्ट ने माना कि याचिकाकर्ता द्वारा दायर अवमानना याचिका सुनवाई योग्य है।

जानें क्या है मामला? : याचिकाकर्ता कलीम अंसारी की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करते समय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41-ए के तहत नोटिस जारी नहीं किया। जबकि, सात वर्ष से कम सजा वाले अपराधों में पहले नोटिस देकर जांच में सहयोग के लिए बुलाना अनिवार्य है।

वकील ने कहा कि पुलिस ने सीधे गिरफ्तारी कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ है। उन्होंने अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014) का हवाला देते हुए कहा कि इस फैसले में स्पष्ट निर्देश है कि नोटिस दिए बिना गिरफ्तारी करने पर संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ अवमानना की कार्यवाही भी हो सकती है। मामले में हाईकोर्ट ने रजिस्ट्रार को निर्देश दिया कि मामले को आगे की कार्रवाई के लिए प्रक्रिया अनुसार आगे बढ़ाया जाए।

गंगा नदी में डूबने से दो मासूम भाइयों की मौत

राजमहलः गंगा नदी में डूबने से दो मासूम भाइयों की मौत हो गई। गुरुवार दोपहर से लापता दोनों बच्चों के शव शुक्रवार सुबह नदी से बरामद किए गए। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

राजमहल थाना क्षेत्र के सरकंडा गांव निवासी सेंटू चौरसिया के दो बेटों का शव शुक्रवार सुबह गंगा नदी से बरामद किया गया। मृत बच्चों की पहचान आठ वर्षीय आर्यन कुमार और छह वर्षीय राघव कुमार के रूप में हुई है। दोनों बच्चे गुरुवार दोपहर से घर से लापता थे। शव मिलने की खबर मिलते ही गंगा तट पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं।

बच्चों की मां प्रियंका देवी ने बताया कि दोनों बेटे गुरुवार दोपहर के बाद घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। परिवार और ग्रामीणों ने काफी देर तक उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। शाम करीब छह बजे किसी व्यक्ति ने नदी किनारे बच्चों की चप्पल और कपड़े पड़े होने की जानकारी दी।सूचना मिलने पर थाना प्रभारी हसनैन अंसारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मछली पकड़ने वाले जाल की मदद से रात भर बच्चों की तलाश की, लेकिन अंधेरा होने के कारण शव नहीं मिल सके।

शुक्रवार सुबह गंगा नदी में एक बच्चे का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद गोताखोरों की मदद से दूसरे बच्चे का शव भी नदी से बाहर निकाला गया। बच्चों के शव देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां और नानी बच्चों से लिपटकर बिलखती रहीं, जबकि अन्य लोग उन्हें संभालते रहे। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र

गैस की किल्लत और बढ़ती कीमत पर सत्ता पक्ष का सदन में हंगामा

केंद्र सरकार से गैस की कीमतों पर नियंत्रण करने और राज्य में एलपीजी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में राज्य में एलपीजी गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमत और आपूर्ति में कमी को लेकर जोरदार हंगामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सत्ता पक्ष के कई विधायक अपने स्थान पर खड़े हो गए और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस मुद्दे को लेकर सदन का माहौल काफी गरमा गया।

विधायकों ने कहा कि राज्य में रसोई गैस की कीमत लगातार बढ़ रही है, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही कई क्षेत्रों में गैस सिलेंडर की आपूर्ति भी नियमित नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे लोगों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है।

इस दौरान सत्ता पक्ष के विधायक प्रदीप यादव ने हाथों में अखबार लहराते हुए कहा कि राज्य के कई इलाकों में लोग गैस सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस की किल्लत का असर केवल घरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव स्कूलों में चलने वाली मध्याह्न भोजन योजना पर भी पड़ रहा है। कई स्कूलों में गैस उपलब्ध नहीं होने के कारण बच्चों के लिए भोजन बनाने में दिक्कतें आ रही हैं।

विधायकों ने केंद्र सरकार से गैस की कीमतों पर नियंत्रण करने और राज्य में एलपीजी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। उनका कहना था कि बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की कमी का सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है।

इस मुद्दे को लेकर सदन में काफी देर तक बहस और हंगामा चलता रहा। विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी देखने को मिला। बाद में सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने के लिए अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से शांत रहने और नियमों के अनुसार अपनी बात रखने की अपील की।

मंत्री इरफान अंसारी ने अनोखे अंदाज में दर्ज कराया विरोध , रिक्शा चलाकर पहुंचे विधानसभा

रांचीः राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शुक्रवार को एक अनोखे अंदाज में विरोध दर्ज कराया। वे कृषि मंत्री शिल्पा तिर्की को रिक्शा में पीछे बैठाकर खुद रिक्शा चलाते हुए विधानसभा पहुंचे। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोग और राहगीर हैरान रह गए।

बताया जा रहा है कि एलपीजी की कमी और पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस नेताओं और राज्य सरकार के मंत्रियों ने यह अनोखा तरीका अपनाया। मंत्रियों के इस प्रदर्शन ने न केवल आम लोगों का ध्यान खींचा, बल्कि विधानसभा परिसर के अंदर भी राजनीतिक माहौल गर्मा दिया। विधानसभा के मुख्य द्वार पर रिक्शा रोककर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मीडिया से बातचीत की और केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्र की गलत नीतियों और विफल विदेश नीति के कारण देश की स्थिति चिंताजनक हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई और बेरोजगारी ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है, जिससे लोगों को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए भी कतारों में लगना पड़ रहा है। मंत्री ने कहा कि इसी मुद्दे को लेकर यह विरोध प्रदर्शन किया गया है। इस दौरान विधानसभा परिसर में इंडिया गठबंधन के नेताओं ने भी केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर विरोध जताया।

दस लाख का ईनामी नक्सली जोनल कमांडर मृत्युंजय भुईयां पकड़ा गया

संवाददाता

- अधिकारिक पुष्टि नहीं,ग्रामीणों ने बच्चा चोर समझकर पकड़ा
- 50 सुरक्षाकर्मियों की हत्या में शामिल
- तत्कालीन सांसद इंदर सिंह नामधारी के काफिले पर हमले का है आरोपी

रांचीः करीब 50 सुरक्षाकर्मियों की हत्या में शामिल नक्सली जोनल कमांडर मृत्युंजय भुईयां पकड़ा गया। उस पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। लातेहार के छिपादोहर में ग्रामीणों ने उसे बच्चा चोर समझकर पकड़ा था। लेकिन उसकी पहचान सामने आने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और मृत्युंजय भुईयां और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने अभी उसकी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन स्थानीय लोगों के मुताबिक उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। माना जा रहा है कि पुलिस जल्दी ही पूरे मामले की आधिकारिक जानकारी साझा करेगी। मृत्युंजय भुईयां झारखंड और छत्तीसगढ़ में हुई 100 से अधिक नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है। लातेहार, गढ़वा और बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र में हुए कई बड़े नक्सली हमलों में उसकी अहम भूमिका रही है। इन हमलों में करीब 50 सुरक्षा कर्मी शहीद हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक वह अलग-अलग इलाके में अलग-अलग नाम से जाना जाता था। यूएपीए और नक्सली मामलों में दर्ज केसों के आधार पर गढ़वा और लातेहार में उसकी जमीन भी जब्त की गई थी।

नक्सलियों का लैंडमाइन एक्सपर्ट है मृत्युंजय भुईयांः मृत्युंजय भुईयां को नक्सलियों का लैंडमाइन एक्सपर्ट माना जाता है। उसने कई बड़े हमलों में विस्फोटक लगाने और हमले की रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक उसे संगठन के हथियार डंप, ठिकानों और नेटवर्क की पूरी जानकारी है। सूत्रों के अनुसार, वह संगठन के टॉप कमांडरों देव कुमार सिंह उर्फ अरविंद, सुधाकरण और मिथिलेश मेहता का करीबी माना जाता है। बूढ़ा पहाड़ पर सुरक्षा बलों के बड़े अभियान के बाद वह लंबे समय तक जंगलों में छिपकर सक्रिय रहा। उसकी गिरफ्तारी नक्सल मोर्चे पर बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

2011- चतरा में तत्कालीन सांसद इंदर सिंह नामधारी के काफिले पर हमला, 11 जवान शहीद

2012- गढ़वा के भंडरिया में नक्सली हमला, थाना प्रभारी समेत 13 जवान शहीद

2013- लातेहार के बरवाडीह क्षेत्र में मुठभेड़, सीआरपीएफ के 14 जवान शहीद

2017-18- गढ़वा के पोलपोल इलाके में हमला, 6 पुलिसकर्मी शहीद

लैंड स्कैम: आरोपी उप राजस्व कर्मी भानु प्रताप को सुप्रीम कोर्ट से मिली बेल

रांचीः लैंड स्कैम के आरोपित निलंबित उप राजस्व कर्मी भानु प्रताप प्रसाद को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने उसकी जमानत याचिका स्वीकार करते हुए उसे नियमित जमानत की सुविधा प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस प्रसन्ना वराले की खंडपीठ में भानु की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। इससे पहले झारखंड हाईकोर्ट ने भानु प्रताप को जमानत देने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। भानु प्रताप बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली 4।55 एक-ड़ जमीन घोटाला से जुड़े केस और बड़गाइ अंचल से जुड़े एक अन्य भूमी घोटाले के मामले में

संघरी घाटी में लकड़ी का बल्ला लदा ट्रक और कोयला लदा हाइवा पलटा

हाइवा चालक की मौत,परिचालन बाधित दोनों ओर लगी वाहनों की लंबी कतार

मेट्रो रेज

चतराः आज तड़के सदर थाना क्षेत्र के संघरी घाटी के तीखे मोड़ पर लकड़ी का बल्ला लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसी बीच पीछे से आ रही कोयला लदी एक हाइवा भी पलट गई। इस भीषण सड़क दुर्घटना में कोयला लदे वाहन चालक की मौत हो गई। दुर्घटना के पश्चात दो पिकअप वाहन भी अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे उतर गई। दुर्घटना के बाद दोनों ओर वाहनों की लगभग एक किलोमीटर तक लंबी कतार लग गई और परिचालन ठप्प हो गया। घटना की सुचना के पश्चात सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह और सीमावर्ती वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और परिचालन को बहाल करवाया। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस निरीक्षक सह सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि मृत चालक की पहचान लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के सेरम पंडरिया गांव निवासी आदित्य राणा पिता भोला राणा के रूप में हुई है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेजा गया है। सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना के बाद चार घंटे तक परिचालन ठप्प रहा। दोनों ओर से वाहनों की कतार लगी रही। अब परिचालन बहाल कर ली गई है।

विधायक जनार्दन पासवान ने लिया संज्ञानः विधानसभा में संघरी घाटी का उठाएंगे मुद्दा : संघरी घाटी में आए दिन होने वाली इन मौतों पर अब लोजपा विधायक जनार्दन पासवान ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण यह घाटी 'किलर जोन' बन गई है। विधायक पासवान ने कहा कि आज विधानसभा के सत्र में इस मुद्दे को उठाएंगे और सरकार से मांग करेंगे कि घाटी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और मोड़ को चौड़ा किया जाए। उन्होंने भारी वाहनों की गति पर लगाम लगाने के लिए सख्त नियम बनाए जाने की मांग रखी।उनका कहना है कि जब तक प्रशासन ठोस कदम नहीं उठाएगा, निर्दोषों की जान ऐसे ही जाती रहेगी। अब देखना होगा कि विधायक की इस पहल के बाद संघरी घाटी का यह 'खूनी' मोड़ सुरक्षित हो पाता है या नहीं।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

वैक्सीन, जिम्मेदारी और न्याय का संतुलनः सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजा नीति पर दिया महत्वपूर्ण संकेत

कोविड-19 महामारी ने दुनिया को यह सिखाया कि एक सूक्ष्म वायरस भी पूरी मानव सभ्यता को चुनौती दे सकता है। साल 2020 में जब यह वायरस तेजी से फैला, तो अस्पतालों में मरीजों की भीड़, खाली पड़ी सड़कें और भय का माहौल पूरी दुनिया में दिखाई दिया। ऐसे समय में विज्ञान ने उम्मीद की किरण के रूप में कोविड वैक्सीन विकसित की, जिसने करोड़ों लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। वैक्सीन अभियान मानव इतिहास के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक था। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में अरबों खुराकें दी गईं और इससे संक्रमण व मृत्यु दर को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सका। हालांकि चिकित्सा विज्ञान यह भी मानता है कि किसी भी दवा या टीके के साथ बेहद दुर्लभ मामलों में दुष्प्रभाव की संभावना पूरी तरह समाप्त नहीं होती। इसी संदर्भ में यह सवाल उठता रहा है कि यदि किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत लगाए गए टीके से किसी व्यक्ति को गंभीर नुकसान हो जाए, तो उसकी जिम्मेदारी कौन उठाएगा। इसी मुद्दे पर हाल ही में उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। 10 मार्च 2026 को सुप्रीम कोर्ट की पीठ न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड वैक्सीन से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में ह्वनो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसीह्व बनाने की संभावना पर विचार किया जाए। इस प्रकार की नीति का अर्थ यह होता है कि प्रभावित व्यक्ति को मुआवजा पाने के लिए यह साबित नहीं करना होगा कि सरकार, वैक्सीन निमार्ता कंपनी या डॉक्टर की गलती थी। केवल यह देखा जाएगा कि नुकसान वास्तव में वैक्सीन से जुड़ा है या नहीं। यदि वैज्ञानिक जांच में यह संबंध स्थापित होता है, तो पीड़ित को राहत दी जा सकती है। सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं ने यह भी मांग की थी कि कोविड वैक्सीन के दुष्प्रभावों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक नई विशेषज्ञ समिति बनाई जाए। हालांकि अदालत ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि भारत में पहले से एडवर्स इवेंट फॉलोविंग इम्युनाइजेशन नामक वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली मौजूद है, जो टीकों से जुड़े संभावित दुष्प्रभावों की जांच करती है। इसलिए अलग से नया विशेषज्ञ पैनल बनाने की आवश्यकता नहीं है।

अदालत का मानना है कि मौजूदा वैज्ञानिक व्यवस्था पर्याप्त है और उसी के आधार पर मामलों की जांच की जानी चाहिए। साथ ही अदालत ने यह भी संकेत दिया कि यदि सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बहुत बड़े स्तर पर टीकाकरण किया जाता है, तो उससे जुड़े दुर्लभ जोखिमों के लिए राहत व्यवस्था पर भी विचार होना चाहिए।

दरअसल, दुनिया के कई देशों में पहले से ही वैक्सीन से होने वाले दुर्लभ नुकसान के मामलों के लिए मुआवजा योजनाएं लागू हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लाभ के साथ-साथ संभावित जोखिमों की जिम्मेदारी भी संस्थागत रूप से स्वीकार की जाए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी केवल कोविड वैक्सीन से जुड़े विवाद तक सीमित नहीं है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत की ओर इशारा करती है कि जब राज्य बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य अभियान लागू करता है, तो नागरिकों के भरोसे और सुरक्षा दोनों की जिम्मेदारी भी उसी पर होती है। कोविड महामारी ने यह स्पष्ट किया कि विज्ञान, समाज और शासन के बीच विश्वास का रिश्ता कितना महत्वपूर्ण है। वैक्सीन ने करोड़ों लोगों को सुरक्षा दी, लेकिन न्याय व्यवस्था यह सुनिश्चित करना चाहती है कि यदि उस सुरक्षा कवच में कहीं दुर्लभ दरार भी रह जाए, तो उससे प्रभावित व्यक्ति को उचित सहारा मिल सके। इसी दृष्टि से सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हिमालयी राज्यों में कशमल का संरक्षण बड़ी चुनौती

कशमल हिमालय क्षेत्र में पाई जाने वाली एक बहु उपयोगी औषधि है। इसे चंबा में कसैत्बल, संस्कृत में दारू हरिद्रा, गढ़वाल में किन्गोड़ा, हिंदी में दारू हल्दी कहा जाता है। यह झाड़ीनुमा पौधा होता है। इसकी ऊंचाई 7-8 फुट तक होती है। इसकी तीन-चार प्रजातियां हैं, जो निचले से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उगती हैं। कशमल के फल बच्चे चाव से खाते हैं। जंगली जानवरों बंदर आदि का भी पसंदीदा आहार है। इनकी पत्तियां भेड़- बकरी के लिए पौष्टिक चारा है। इसके फूलों पर मधुमक्खी काम करती है। इसकी जड़ों से रसौंत नामक औषधि बनाई जाती है। इसके अलावा अनेक बीमारियों ते उपचार में इसका उपयोग होता है। इस वजह से औषधि उद्योग में इसकी बहुत मांग रहती है। इसी कारण कशमल का अवैध दोहन बड़े पैमाने पर होता रहता है। चिपको आन्दोलन के दौर में भटियात क्षेत्र और चंबा के साथ लगते जडेरा क्षेत्र से कशमल संरक्षण के लिए आवाज उठाई गई थी। भटियात के छुआला गांव और धरवाई गांव से करीब एक ट्रक कशमल की जड़ जो अवैध रूप से निकाली गई थी, आन्दोलनकारियों ने जब्त करवाई थी। जडेरा में बहुत बड़े पैमाने पर अवैध रूप से कशमल उखाड़ा गया था, जिसे जनता बैरियर लगा कर रोका गया था और जब्त करवाया गया था। सरकारी जंगल से कशमल उखाड़ने पर रोक लगी थी। आज तक वह रोक तो जारी है किन्तु अवैध धंधे वाले निजी भूमि से परमिट लेकर सरकारी जंगलों से अवैध रूप से उखाड़ कर ले जाते हैं। गत वर्ष चंबा के चुराह और सलूनी तहसील के कुछ जागरूक लोगों द्वारा इसके विरुद्ध आवाज उठाई गई थी। कांगड़ा के बैजनाथ से भी ऐसी खबरें आई थीं। प्रदेश के दूसरे हिस्सों से भी इस तरह की अवैध रूप से कशमल उखाड़ने की खबरें आती रही हैं। स्थानीय स्तर पर 20-30 रुपये. प्रति किलो खरीद कर आगे कंपनियों को भारी मुनाफे पर व्यापारी लोग बेचते हैं। दवाई बन जाने के बाद तो इसकी कीमत बहुत बढ़ जाती है। थोड़े से लाभ के लिए किसान अपना बहुत बड़ा नुकसान कर लेते हैं। कशमल को बचा कर यदि उस पर भेड़-बकरी पालन और मधुमक्खी पालन किया जाए तो इससे कहीं ज्यादा कमाई किसान कर सकते हैं। इसके अलावा कशमल की जड़ें बहुत गहरी होती हैं जिनको उखाड़ने के लिए 4 से 5 फुट गहरे तक खुदाई करनी पड़ती है जिससे पहाड़ी ढलानें कमजोर हो जाती हैं और बरसात में भूस्खलन का कारण बनती हैं। इसलिए जरूरी है कि कशमल को बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। भले ही इसके व्यापारिक दोहन पर सरकारी जंगल से प्रतिबन्ध लगा है किन्तु शातिर ठेकेदार स्थानीय लोगों को बेवकूफ बना कर सांठ-गांठ कर लेते हैं और निजी भूमि से उखाड़ने का परमिट ले लेते हैं, जबकि निजी जमीन में बहुत ही कम मात्र में कशमल उपलब्ध होता है। अतः निजी भूमि के नाम पर असल में दोहन सरकारी जंगलों से होता है। हैरानी की बात यह है कि जब भी निजी भूमि से कशमल उखाड़ने का परमिट दिया जाता है तो उस भूमि में कितने झाड कशमल के हैं यह क्यों नहीं जांचा जाता। अगर परमिट जारी करने के समय यह जांच हो जाए तो पता लग जाएगा कि कितनी मात्रा में कशमल उपलब्ध हो सकती है। निर्धारित मात्रा से ज्यादा जड़ें मिलने पर ठेकेदारों पर शिकंजा कसा जा सकता है। यह जरूरी सावधानी बरती ही जानी चाहिए। इसके अलावा बहुत से देशों में कशमल की खेती की संभावनाओं को भी विकसित किया जा रहा है। हमारे देश में भी कशमल की खेती आरंभ की जानी चाहिए ताकि जंगल से कशमल को न उखाड़ा जाए और अपने खेतों से इसकी फसल तैयार करने की ओर बढ़ा जा सके। इसमें दस से बीस साल का समय तो लगेगा किन्तु खैर आदि तैयार करने में भी तो इतना ही समय लग जाता है। स्थानीय समुदायों में कशमल के जंगलों के आसपास भेड़-बकरी पालन और मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहन देकर भी स्थानीय लोगों को वैकल्पिक आय उपलब्ध करवाई जा सकती है।

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

यह नीति अत्यंत आक्रामक रूप से लागू की गई, जिसके कारण वैश्विक व्यापार वातावरण में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा हो गई। विशेष रूप से चीन जैसे देशों से आने वाले उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत को हिला दिया।

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिका में 20 जनवरी, 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद वैश्विक आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिले। ट्रम्प ने ह्लमेक अमेरिका ग्रेट अगेनह्व के नारे के साथ अमेरिकी उद्योग और विनिर्माण को पुनर्जीवित करने की नीति अपनाई। इसी उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगाने की रणनीति अपनाई। उनका मानना था कि यदि विदेशी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाया जाएगा तो बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अमेरिका में ही उत्पादन शुरू करेंगी और इससे अमेरिकी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह नीति अत्यंत आक्रामक रूप से लागू की गई, जिसके कारण वैश्विक व्यापार वातावरण में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा हो गई। विशेष रूप से चीन जैसे देशों से आने वाले उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत को हिला दिया। इसके अलावा अन्य देशों को भी ऐसे कदमों की चेतावनी दी गई, जिससे वैश्विक आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत भी इस नीति से अछूता नहीं रहा। अमेरिका ने भारत से आयातित कई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। इसके अतिरिक्त 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ इस आधार पर लगाया गया कि भारत रूस से कच्चे तेल का आयात करता है और उसे प्रसंस्कृत कर यूरोपीय देशों को पेट्रोल और डीजल के रूप में निर्यात करता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क था कि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना अप्रत्यक्ष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को आर्थिक समर्थन देना है। परिणामस्वरूप 27 अगस्त 2025 से भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया गया। इस निर्णय का भारत की अर्थव्यवस्था पर तत्काल प्रभाव पड़ा। भारतीय पूंजी बाजार में अस्थिरता बढ़ गई और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से अपना निवेश निकालना शुरू कर दिया। इससे शेयर बाजार में गिरावट आई और विदेशी मुद्रा प्रवाह पर भी दबाव बढ़ा। चूँकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है और भारत के निर्यात में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है, इसलिए यह कदम भारत के विदेशी व्यापार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया। ट्रम्प प्रशासन की नीतियाँ केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनमें साम्राज्यवादी सोच के संकेत भी दिखाई दिए। उदाहरण के तौर पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में मुकदमा चलाने की घटना ने वैश्विक राजनीति में नई बहस छेड़ दी। अमेरिका की नजर वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर मानी जा रही है। इसके अलावा डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका ने अपना प्रभाव स्थापित करने की इच्छा जताई। इसी प्रकार मेक्सिको, क्यूबा और ईरान जैसे देशों को भी विभिन्न प्रकार की चेतावनियाँ दी गईं। इन घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति पैदा कर दी। भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी इसका प्रभाव पड़ा, लेकिन भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए त्वरित और व्यावहारिक रणनीति अपनाई। सरकार ने वैकल्पिक बाजारों की तलाश शुरू की और कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की दिशा में तेजी से कदम उठाए। भारत ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो अमेरिका को निर्यात पर अधिक निर्भर थे, जैसे वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्री उत्पाद, खिलौना उद्योग और चमड़ा उद्योग। ये सभी श्रम आधारित उद्योग हैं और इनमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है। यदि इन क्षेत्रों के निर्यात पर बड़ा झटका लगता तो देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप ले सकती थी। इसलिए भारत ने रूस, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों सहित कई नए बाजारों में इन उत्पादों का निर्यात बढ़ाने का प्रयास किया। वर्ष 2025 में भारत ने वैश्विक व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए। वर्ष के अंत तक भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण समझौते किए। इसके साथ ही अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि नवंबर और दिसंबर 2025 के दौरान भारत के निर्यात में वृद्धि दर बनाए रखने में सफलता मिली, जबकि सितंबर और अक्टूबर के महीनों में अमेरिकी बाजार में टैरिफ के कारण कुछ गिरावट देखी गई थी। भारत की व्यापारिक रणनीति का सबसे बड़ा कदम 27 जनवरी 2026 को सामने आया, जब भारत और यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता संपन्न हुआ। लगभग 18 वर्षों की लंबी वार्ताओं के बाद यह समझौता संभव हो पाया। इसकी व्यापकता और महत्व को देखते हुए इसे ह्लमदर ऑफ ऑल डील्सह्व कहा जा रहा है। इस समझौते से भारत के निर्यात को एक विशाल और स्थिर बाजार मिलने की संभावना है। इसके अतिरिक्त कनाडा के राष्ट्रपति के मार्च 2026 में भारत आने की संभावना भी जताई जा रही है, जिसके दौरान कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है। भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों से विश्व समुदाय में सकारात्मक संदेश गया है। भारत ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व की भावना के साथ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। इन समझौतों से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि व्यापार में वृद्धि से आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण भी सकारात्मक हुआ है और वे भारत को एक विश्वसनीय और उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में देखने लगे हैं।

समान नागरिक संहिता पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के निहितार्थ

भ्हाल ही में उच्चतम न्यायालय की एक टिप्पणी ने इस बहस को फिर से नई गति दे दी है। न्यायालय ने कहा है कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है, हालांकि यह निर्णय न्यायपालिका का नहीं बल्कि संसद का विषय है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत एक बहुधर्मी, बहुसांस्कृतिक और विविधताओं से भरा राष्ट्र है। यहाँ विभिन्न धर्मों, परंपराओं और सामाजिक व्यवस्थाओं के कारण व्यक्तिगत जीवन से जुड़े कई कानून अलग-अलग रूप में लागू होते रहे हैं। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेना और परिवार से जुड़े अन्य मामलों में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, पारसी और अन्य समुदायों के लिए अलग-अलग पर्सनल लॉ प्रचलित हैं। किंतु एक आधुनिक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र के रूप में यह प्रश्न लंबे समय से उठता रहा है कि क्या एक ही देश में नागरिकों के लिए अलग-अलग नागरिक कानून उचित हैं? इसी संदर्भ में समान नागरिक संहिता का विचार समय-समय पर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आता रहा है।

हाल ही में उच्चतम न्यायालय की एक टिप्पणी ने इस बहस को फिर से नई गति दे दी है। न्यायालय ने कहा है कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है, हालांकि यह निर्णय न्यायपालिका का नहीं बल्कि संसद का विषय है। अदालत शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुस्लिम महिलाओं के साथ कथित भेदभाव का प्रश्न उठाया गया है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने संकेत दिया कि यदि इन प्रावधानों को हटाया जाता है तो कानून में एक प्रकार का खालीपन उत्पन्न हो सकता है और इसका स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता के माध्यम से ही संभव है। वस्तुतः समान नागरिक संहिता का प्रश्न एक कानूनी व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, यह संविधान में निहित समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए यह विषय केवल अदालतों या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, राजनीति और संवैधानिक आदर्शों के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती भी है।

समान नागरिक संहिता का विचार भारतीय संविधान में प्रारंभ से ही मौजूद है। संविधान के अनुच्छेद 44 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राज्य पूरे देश में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। यह प्रावधान राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों के अंतर्गत रखा गया है, जिनका उद्देश्य सरकार को सामाजिक सुधार की दिशा में मार्गदर्शन देना है।

संविधान सभा में इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई थी। संविधान निमार्ता भीमराव रामजी आंबेडकर का मानना था कि आधुनिक राष्ट्र में नागरिकों के अधिकार धर्म के आधार पर अलग-अलग नहीं होने चाहिए। हालांकि उस समय देश की सामाजिक परिस्थितियों और विभिन्न समुदायों की आशंकाओं को देखते हुए इसे तत्काल लागू करने के बजाय नीति निदेशक सिद्धांतों में रखा गया। यह व्यवस्था इस उद्देश्य से की गई थी कि समय के साथ सामाजिक सहमति बनने पर इसे लागू किया जा सके। भारत में अलग-अलग पर्सनल लॉ की व्यवस्था औपनिवेशिक काल की देन मानी जाती है। ब्रिटिश शासन के दौरान विभिन्न धार्मिक समुदायों की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए विवाह, तलाक और उत्तराधिकार से जुड़े मामलों में अलग-अलग कानून लागू किए गए थे। स्वतंत्रता के बाद भी यह व्यवस्था जारी रही, हालांकि समय-समय पर इसमें सुधार किए गए। आज भी हिंदुओं के लिए हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम और अन्य संबंधित कानून प्रभावी हैं, जबकि मुसलमानों के निजी मामलों में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरियत) एप्लीकेशन एक्ट 1937 लागू होता है। इसी प्रकार ईसाई और पारसी समुदायों के लिए भी अलग-अलग कानून मौजूद हैं।

यह विविधता भारत की सामाजिक संरचना का हिस्सा अवश्य है, लेकिन कई बार यह व्यवस्था संविधान में प्रदत्त समानता और न्याय के सिद्धांतों से टकराती हुई भी दिखाई देती है। विशेषकर महिलाओं के अधिकारों के संदर्भ में यह प्रश्न अधिक गंभीर हो जाता है। भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर बल दिया है। कई महत्वपूर्ण मामलों में अदालतों ने यह टिप्पणी की है कि अलग-अलग पर्सनल लॉ के कारण नागरिकों के बीच असमानता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। न्यायालयों का यह भी मत रहा है कि जब व्यक्तिगत कानूनों के कारण महिलाओं के अधिकार प्रभावित होते हैं तो संविधान में निहित समानता के सिद्धांत को चुनौती मिलती है। हालिया सुनवाई में भी सर्वोच्च न्यायालय ने यही संकेत दिया कि यदि पर्सनल लॉ के कुछ प्रावधानों को हटाया जाता है तो उसके स्थान पर एक व्यापक और समान नागरिक कानून की आवश्यकता होगी। समान नागरिक संहिता की चर्चा अक्सर महिलाओं के अधिकारों के संदर्भ में अधिक होती है। भारत में कई पर्सनल लॉ में महिलाओं के अधिकार पुरुषों की तुलना में सीमित रहे हैं। कुछ समुदायों में बहुविवाह की अनुमति, तलाक की असमान प्रक्रिया और विरासत में कम हिस्सा जैसे मुद्दे लंबे समय तक विवाद का कारण बने रहे हैं। इन परिस्थितियों में महिलाओं को न्याय पाने के लिए अदालतों का सहारा लेना पड़ता है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य इन असमानताओं को समाप्त कर एक ऐसा कानूनी ढांचा तैयार करना है जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हों और कानून धर्म के बजाय नागरिकता के आधार पर लागू हो।

भारत एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र है। पंथनिरपेक्षता का अर्थ यह है कि राज्य सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण रखे। यदि नागरिक कानून धर्म के आधार पर अलग-अलग होंगे तो यह सिद्धांत व्यवहार में कमजोर पड़ सकता है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को समाप्त करना नहीं है, बल्कि नागरिक अधिकारों को धर्म से अलग करना है। विवाह, तलाक और उत्तराधिकार जैसे विषय मूलतः नागरिक अधिकारों से जुड़े होते हैं, इसलिए इन पर समान कानून होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप माना जाता है। भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम उत्तराखंड में उठाया गया है। राज्य सरकार ने इसे लागू कर विवाह के अनिवार्य पंजीकरण, संपत्ति में बेटा-बेटी को समान अधिकार और विवाह व तलाक से जुड़े समान नियमों की व्यवस्था की है। इसे देश में एक प्रयोग के रूप में देखा जा रहा है। यदि यह व्यवस्था सफल होती है तो भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण मॉडल बन सकती है। समान नागरिक संहिता पर बहस नई नहीं है। संविधान सभा से लेकर आज तक यह विषय समय-समय पर चर्चा में आता रहा है। कई लोग इसे सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय एकता के लिए आवश्यक कदम मानते हैं, जबकि कुछ समुदायों को आशंका है कि इससे उनकी धार्मिक परंपराओं पर प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए यह विषय केवल कानून बनाने का प्रश्न नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक संवाद और विश्वास निर्माण की भी आवश्यकता है। कुल मिलाकर कहना यही है कि सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करने का समय आ चुका है, किंतु अंतिम निर्णय संसद को ही करना होगा। यदि समान नागरिक संहिता को संविधान की भावना, सामाजिक सहमति और सभी समुदायों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए लागू किया जाता है तो यह अधिक न्यायपूर्ण, आधुनिक और समावेशी भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

400 साल से नंदी के मुख से हो रहा निरंतर जलाभिषेक

देशभर में भगवान शिव के कई फेमस और प्राचीन मंदिर हैं। हर रोज हजारों की संख्या में भक्त इन मंदिरों में दर्शन और जलाभिषेक के लिए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा रहस्यमयी शिव मंदिर है, जहां पर शिवलिंग पर नंदी के मुख से निरंतर जलधारा बहती रहती है। यह जलधारा बिना किसी ज्ञात स्त्रोत के बहती रहती है।

बता दें कि यह चमत्कारी और आध्यात्मिक स्थल कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में है। यहां पर स्थिल काडू मल्लेश्वर मंदिर के चमत्कार और रहस्य इसको अधिक खास बनाते हैं। ऐसे में आप भी इस मंदिर में पहुंचकर यह चमत्कार खुद अपनी आंखों से देख सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चमत्कारी शिव मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं।

काडू मल्लेशवर मंदिर

काडू मल्लेशवर मंदिर, दक्षिण भारत का रहस्यमयी शिवधाम है। यह मंदिर करीब 400 वर्ष पुराना माना जाता है। माना जाता है कि मंदिर में स्थापित शिवलिंग 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का स्वरूप है। इस मंदिर का निर्माण मराठा राजा शिवाजी के भाई वेंकोजी ने 17वीं शताब्दी में कराया था। मराठा और द्रविड़ शैली का यह अद्भुत संगम है।

दक्षिणामुख नंदी तीर्थ

काडु मल्लेश्वर मंदिर के पास श्री दक्षिणामुख नंदी तीर्थ कल्याणी क्षेत्र स्थित है। मान्यता है कि जब तक नंदी तीर्थ के दर्शन न किए जाएं, तब तक काडु मल्लेश्वर मंदिर की पूजा अधूरी मानी जाती है।

जलधारा का रहस्य

इस क्षेत्र में नंदी महाराज की प्राचीर पत्थर की प्रतिमा स्थापित है। नंदी के मुख से लगातार साफ और ठंडा पानी निकला करता है। यह जलधारा सीधे शिवलिंग पर गिरती है और स्वतः जलाभिषेक करती है।

हैरानी की बात है कि यहां से निकलने वाले पानी का स्त्रोत आज भी अज्ञात है।

वैज्ञानिक और शोधकर्ता इस जलधारा के उद्गम के निकलने का पता लगाने का प्रयास कर चुके हैं। लेकिन अभी तक इसका कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

भक्त मानते हैं चमत्कार

इस रहस्य को विज्ञान भी समझ पाने में असमर्थ रहा है। वहीं भक्त इसको भगवान शिव की दिव्य कृपा और चमत्कार मानते हैं। धार्मिक मान्यता है कि यहां पर सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूरी होती है।

महाशिवरात्रि पर होता है विशेष आयोजन

महाशिवरात्रि के मौके पर काडु मल्लेश्वर मंदिर और नंदी तीर्थ क्षेत्र में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते हैं।

इस दौरान विशेष रुद्राभिषेक और महापूजा होती है।

मंदिर को फूलों से सजाया जाता है।

इस दिन भगवान शिव की रथ यात्रा निकलती है।

वहीं यहां पर लगने वाला 15 दिन का फेमस मूंगफली मेला, जो दूर-दूर से भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

इस दौरान हजारों-लाखों की संख्या में भक्त यहां पर दर्शन के लिए आते हैं।

टिप्स

शाही पिस्ता कुल्फी फालूदा

रमजान के पाक महीने में दिनभर रोजे रखने के बाद इफ्तार के समय कुछ न कुछ ठंडा और रिफ्रेशिंग खाने का मन जरुर करता है। ऐसी डिश हो, जो थकान को मिटा है। ऐसे में आप पिस्ता कुल्फी फालूदा डेजर्ट बना सकते हैं, यह न केवल स्वाद में अच्छा होता है, बल्कि सेहत और ताजगी से भरपूर होता है। बाजार में मिलने वाली मखमली कुल्फी और ठंडे-ठंडे फालूदा का कॉम्बिनेशन घर पर बनाना काफी आसान है। आइए आपको बताते हैं इसको कैसे बनाएं।

पिस्ता कुल्फी फालूदा के लिए विधि

- सबसे पहले आप एक भारी तले वाली कड़ाही में दूध को उबलने के लिए रख दें।
- इसके बाद इसमें उबाल आ जाए, तो आंच धीमी कर दें और इसे तब तक पकाएं जब तक कि यह घटकर आधा न रह जाए।
- अब आप बीच-बीच में किनारों पर जमी मलाई को खुरचकर दूध में मिलाते रहे। ऐसा करने से कुल्फी दानेदार और गाढ़ी बनेगी।
- दूध गाढ़ा हो जाए तो इसमें चीनी,इलायची पाउडर और केसर वाला दूध मिलाएं। इसके बाद इसमें बारीक कटे हुए पिस्ता डालें।
- अब इसको 5 मिनट के लिए पकाएं और फिर गैस बंद कर दें। मिश्रण को पूरी तरह ठंडा होने दें।
- तैयार मिश्रण को कुल्फी मोल्ड्स या किसी एयरटाइट कंटनेर में डाल दें।
- इसको 7-8 घंटे या रात भर के लिए फ्रीजर में सेट होने के लिए रख सकते हैं।
- इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें और फालूदा सेव को 4-5 मिनट तक पकाएं।
- जब यह पक जाए तो इसे तुरंत ठंडे पानी में डाल दें जिससे वे आपस में न

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

साहिबगंज ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बने अनुराग राहुल कार्यकर्ताओं में खुशी

साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निदेर्शानुसार के साहिबगंज जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने आठ नए मंडल अध्यक्षों की सूची गुरुवार को जारी किया है।जिसमें साहिबगंज ग्रामीण मंडल के नए अध्यक्ष के रूप में अनुराग राहुल,राजमहल ग्रामीण चिरंजीव सरकार,बोरियो भुनेश्वर तुरी,बांझी सकल मुर्मू,मंडरो के जितेंद्र पंडित,भोगनाडीह विनोद मुर्मू,बरहेट मंडल के लिए मनीष भारती और बरहरवा ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष के रूप में तारक घोष के नाम की घोषणा की गई है।साथ ही सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई दिया है।साहिवगंज ग्रामीण मंडल के मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल ने इसके लिए भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी,प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला के सभी पदाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जिस विश्वास के साथ मुझे जो दायित्व दिया है। उसका निष्ठा और ईमानदारी पूर्वक निर्वहा करते हुए संगठन को मजबूत करने का काम करूंगा।वही अनुराग राहुल को भाजपा ग्रामीण मंडल का अध्यक्ष बनाने पर सभी कार्यकर्ताओ ने बधाई दिया है।

नव निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को उपायुक्त ने पद गोपनीयता की शपथ दिलाई

साहिबगंज : नगर पालिका आम निर्वाचन -2026 के तहत दिनांक 23 फरवरी 2026 को सम्पन्न मतदान तथा 27 फरवरी 2026 को सम्पन्न मतगणना के उपरांत नव निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी न0प0 सह-उपायुक्त हेमंत सती द्वारा पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।सिद्धो-कान्हो सभागार साहिबगंज में आयोजित कार्यक्रम में साहिबगंज नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई गई। वहीं राजमहल नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों को समाहरणालय सभागार में बड़हरवा नगर पंचायत के अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों को जिला पंचायती राज सभागार में शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों ने संविधान की गरिमा को बनाए रखने अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा जनहित में कार्य करने की शपथ ली।इसके साथ ही नगर परिषद साहिबगंज, नगर पंचायत राजमहल व नगर पंचायत बड़हरवा के लिए उपाध्यक्ष पद का चुनाव भी संपन्न कराया गया। साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र से विनीता देवी को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। नगर पंचायत राजमहल क्षेत्र से मोहम्मद मारूफ को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।वहीं नगर पंचायत बड़हरवा में उपाध्यक्ष पद के लिए निर्मला कुमारी एवं राजकुमार भगत द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया था। चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के उपरांत राजकुमार भगत को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया। जबकि जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी संबंधित निवार्ची पदाधिकारी तथा नव निर्वाचित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी न0प0-सह-उपायुक्त ने सभी नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपने-अपने क्षेत्र के विकास तथा नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

सड़क पर जलजमाव की समस्या और उसके स्थायी समाधान पर हुई चर्चा

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मिजाचौकी से रक्सी स्थान जाने वाली सड़क पर लंबे समय से जलजमाव की समस्या को लेकर मिजाचौकी धर्मशाला प्रांगण में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडरो अंचल अधिकारी संजय कुमार शुक्ला ने करते हुए ग्राम सभा में मिजाचौकी के ग्रामीणों बड़तल्ला पंचायत के लोगों 16 आना रैयतों और ग्राम प्रधानों ने भाग लिया। बैठक के दौरान सड़क पर जलजमाव की समस्या और उसके स्थायी समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें जल निकासी की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पोखर निर्माण का प्रस्ताव रखा जिस पर उपस्थित रैयतों ने अपनी सहमति भी प्रदान की। इस अवसर पर प्रभारी अंचल निरीक्षक सच्चिदानंद राय राजस्व उप निरीक्षक बबलू कुमार सहित मिजाचौकी दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष राजीव जायसवाल, ग्राम प्रधान लच्छु मुर्मू, बड़तल्ला पंचायत के मुखिया संजय टुडू तथा बड़तल्ला गांव के दर्जनों आदिवासी महिला-पुरुष उपस्थित थे।ग्राम सभा में अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जल जमाव की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक प्रक्रिया जल्द पूरी कर कार्य शुरू कराया जाएगा। बच्चों के साथ मेला में आएं और इस मनोरंजक आयोजन का भरपूर आनंद लें।मौके पर अमल विश्वास,किष्नंदू पटेल सहित अन्य थे।

परीक्षा प्रपत्र दस अप्रैल तक बिना विलंब शुल्क के भरा जा रहा है : डॉ ध्रुब ज्योति

साहिबगंज : इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय देवघर के निदेर्शानुसार इग्नू अध्ययन केन्द्र 3605 साहिबगंज महाविद्यालय साहिबगंज के समन्वयक डॉ ध्रुब ज्योति कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सत्रांत परीक्षा जून 2026 के लिए परीक्षा प्रपत्र 10 अप्रैल तक बिना विलंब शुल्क के भरा जा रहा है। 11 अप्रैल 2026 से 24 अप्रैल 2026 तक 1100 विलंब शुल्क के साथ भरा जाएगा।उन्होंने बताया कि सत्रांत परीक्षा जून 2026 के लिए सत्रीय कार्य जमा हो रहा है करने की अंतिम तिथि 31 मार्च है।डॉ सिंह ने बताया कि जनवरी 2026 सत्र के लिए नव नामांकन की अंतिम तिथि 15 मार्च है जिन विद्यार्थियों को स्नातक,स्नातकोत्तर,डिप्लोमा कार्यक्रमों में नामांकन लेना है।

गंगा नदी से 16 घंटे बाद दो सगे भाइयों का शव बरामद गांव में मातम

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र के सरकंडा गांव में गंगा नदी से 16 घंटे बाद दो सगे भाइयों का शव बरामद हुआ। दोनों बच्चे गुरुवार दोपहर से लापता थे।शुक्रवार सुबह नमामि गंगा घाट के पास उनके शव मिले घटना से गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।झारखंड के साहिबगंज जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत सरकंडा गांव में एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। गंगा नदी में डूबने से दो मासूम सगे भाइयों की मौत हो गई. लगभग 16 घंटे की तलाश के बाद दोनों बच्चों का शव बरामद किया गया। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।घर के सामने से अचानक लापता हो गए थे दोनों बच्चे मिली जानकारी के अनुसार, सरकंडा गांव निवासी सेटू चौरसिया के दो पुत्र 8 वर्षीय आर्यन कुमार और 4 वर्षीय राघव कुमार गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे घर के सामने खेलते-खेलते अचानक लापता हो गए। जब काफी देर तक दोनों बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। परिवार और ग्रामीणों ने आसपास के इलाकों में बच्चों की काफी खोजबीन की, लेकिन देर रात तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया।बच्चों के नहीं मिलने से परिजनों को आशंका होने लगी कि कहीं उनका अपहरण तो नहीं कर लिया गया है।गंगा नदी किनारे मिली बच्चे की पैंट बढ़ी आशंका गुरुवार रात करीब 9 बजे नमामि गंगे घाट के पास गंगा नदी किनारे एक बच्चे की पैंट मिली। पैंट मिलने के बाद परिजनों की चिंता और बढ़ गई। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने मछली पकड़ने वाले जाल की मदद से गंगा नदी में देर रात तक बच्चों की तलाश शुरू की।हालांकि रात में कोई सफलता नहीं मिली और खोजबीन जारी रही।

सुबह नदी में तैरता मिला पहला शव

शुक्रवार सुबह घर से लगभग 150 मीटर दूर नमामि गंगा सीढ़ी घाट के पास गंगा नदी में एक बच्चे का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। यह खबर गांव में आग की तरह फैल गई और कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए ग्रामीणों और परिजनों ने दूसरे बच्चे की तलाश शुरू की कुछ ही दूरी पर दूसरे बच्चे का शव भी नदी में मिल गया।दोनों मासूम भाइयों का शव देखकर गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस : घटना की जानकारी मिलते ही राजमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों बच्चों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया।घटना के बाद ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चचाएं होने लगीं, जबकि परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। पूरे गांव में शोक और दुख का माहौल बन गया।

प्रभारी प्रधानाध्यापक नरेश हांसदा का निधन, शिक्षा जगत में शोक की लहर

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के राधानगर मध्य विद्यालय (बालक) के प्रभारी प्रधानाध्यापक नरेश हांसदा का बुधवार देर रात पश्चिम बंगाल के सिउड़ी में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही विद्यालय परिवार, छात्रों और शिक्षकों के बीच गहरा शोक व्याप्त हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार नरेश हांसदा (40) मूल रूप से देवघर जिले के निवासी थे। वे पिछले कई वर्षों से बरहरवा में किराये के मकान में रहकर अपनी शैक्षणिक सेवा दे रहे थे। शिक्षक सनात घोष ने बताया कि वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज गोड्डा सहित पश्चिम बंगाल में कराया जा रहा था। बताया जाता है कि मंगलवार को वे विद्यालय पहुंचे थे और अपने दैनिक कार्यों का निर्वहन करने के बाद बरहरवा लौट गए। देर शाम अचानक उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। आसपास के लोगों ने उन्हें तत्काल गोड्डा के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।इसके बाद परिजनों ने उन्हें पश्चिम बंगाल के सिउड़ी स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान बुधवार देर रात उनका निधन हो गया।गौरतलब है कि नरेश हांसदा ने 1 मार्च 2016 को मध्य विद्यालय राधानगर (बालक) में योगदान दिया था और करीब दस वर्षों तक विद्यालय में अपनी सेवाएं दीं। वे अपने शांत स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे। उनके निधन की खबर मिलते ही विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा प्रखंड के शिक्षा विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। उनके अचानक चले जाने से विद्यालय ने एक समर्पित शिक्षक के साथ-साथ बच्चों का मार्गदर्शक और अभिभावक भी खो दिया है। इस दुखद घटना पर शिक्षक समर्थ मंडल, राजकुमार घोष, श्याम जी ओझा, हर्षवर्धन मंडल, दुलाल घोष, सिद्धार्थ मंडल, जियाउल हक, भीम राय और बासुदेव मंडल सहित अन्य शिक्षकों ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नरेश हांसदा एक सरल, मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक थे, जिन्होंने हमेशा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित होकर काम किया। उनका निधन शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

एक गोदाम में स्टॉक मिला दूसरे में कमी से बढ़ी किल्लत

संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड क्षेत्र में रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से गुरुवार को प्रखंड के विभिन्न गैस गोदामों का औचक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण मार्केटिंग ऑफिसर नंदन कुमार के नेतृत्व में किया गया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की टीम ने बरहरवा स्थित हांसदा एचपी गैस गोदाम तथा रिषोद गैस गोदाम का जायजा लिया। जांच के क्रम में हांसदा एचपी गैस गोदाम में गैस का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध पाया गया। अधिकारियों के अनुसार यहां से उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस की आपूर्ति की जा रही है और फिलहाल किसी प्रकार की बड़ी समस्या नहीं है।वहीं दूसरी ओर रिषोद गैस गोदाम में निरीक्षण के समय गैस का स्टॉक नहीं मिलने से क्षेत्र में रसोई गैस की कमी की स्थिति सामने आई। अधिकारियों ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एजेंसी से तत्काल स्पष्टीकरण मांगा और जल्द से जल्द गैस की आपूर्ति बहाल करने का निर्देश दिया।साथ ही मार्केटिंग ऑफिसर ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जाकर गैस वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सके और किसी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी की संभावना न रहे।बीएसओ नंदन कुमार ने कहा कि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। यदि कहीं भी गैस की कालाबाजारी या अनियमितता की शिकायत मिलती है तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।अधिकारियों ने सभी गैस एजेंसियों को निर्देश दिया है कि गैस की आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र सामान्य करें, ताकि क्षेत्र के आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। साथ ही प्रशासन द्वारा आगे भी इस तरह के औचक निरीक्षण जारी रखने की बात कही गई है।

शिव मंदिर से चोरी हुआ घंटा और सामान बरामद

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के बंगाली टोला स्थित दीपक फर्नीचर गली में स्थित शिव मंदिर में बीते दिनों हुई चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गया सामान बरामद कर लिया है।जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों ने बीते दिनों मंदिर को निशाना बनाते हुए वहां लगे घंटे की चोरी कर ली थी। इसके साथ ही मंदिर में रखी दान पेटी को तोड़कर उसमें रखे करीब तीन हजार रुपये नकद भी चुरा लिए थे। शाम के समय जब स्थानीय लोग और श्रद्धालु पूजा के लिए मंदिर पहुंचे तो चोरी की घटना का पता चला। घटना सामने आते ही इलाके में सनसनी फैल गई।मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने नगर थाना को सूचित किया। इस संबंध में नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि शिव मंदिर में चोरी की शिकायत मिलने के बाद नगर थाना कांड संख्या 46/26 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग की निशानदेही पर 24 घंटे के भीतर चोरी की गई सामान बरामद कर लिया।

तेज हवा के झोंकों से खेतों में खड़ी मक्का की फसल गिरा किसान मायूस

संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड के हर प्रसाद पंचायत अंतर्गत शोभनपुर दियारा, रामपुर, बलुआ टोली, लाल बथानी तथा किशन प्रसाद समेत विभिन्न टोला में शुक्रवार की शाम करीब छह बजे अचानक आए तेज हवा और बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। तेज आंधी और बारिश के कारण क्षेत्र में लगी मक्का की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है।अचानक बदले मौसम और तेज हवा के झोंकों से खेतों में खड़ी मक्का की फसल कई जगहों पर जमीन पर गिर गई। कई खेतों में मक्का के पौधे टूटकर बिछ गए, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।स्थानीय किसानों ने बताया कि इस समय मक्का की फसल काफी अच्छी स्थिति में थी और कुछ ही दिनों में कटाई की तैयारी शुरू होने वाली थी। लेकिन तेज आंधी और बारिश के कारण फसल पूरी तरह प्रभावित हो गई। किसानों का कहना है कि क्षेत्र के अधिकांश लोग मक्का की खेती पर ही निर्भर रहते हैं।ऐसे में फसल के नुकसान से उनकी आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है।किसानों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों का जल्द सर्वे कराकर फसल क्षति का सही आकलन कराया जाए। किसानों ने कहा कि जिला पदाधिकारी और अंचल अधिकारी को मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण कराना चाहिए, ताकि किसानों को सरकार की ओर से उचित मुआवजा मिल सके।ग्रामीणों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा से हुई इस क्षति में प्रशासन का सहयोग ही उनके लिए राहत बन सकता है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन जल्द ही टीम भेजकर प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेगा और किसानों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

मेले का मुख्य आकर्षण जलपरी शो होगा

जलपरी की कलाकार विशेष अंदाज में देंगे प्रस्तुति

संवाददाता

साहिबगंज : शहर में मनोरंजन और उत्साह का माहौल बनने वाला है। पोखरिया स्थित टाउन हॉल के पीछे आयोजित होने वाले डिजनीलैंड मेला का उद्घाटन आज किया जाएगा।जिसकी जानकारी मेला प्रबंधक रंजीत साहा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी।उन्होंने बताया कि इस वर्ष का मेला पहले की अपेक्षा अधिक आकर्षक और मनोरंजक होगा जिसमें बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए कई विशेष इंतजाम किए गए हैं।मेला प्रबंधक ने बताया कि इस बार मेले का मुख्य आकर्षण जलपरी शो होगा ।जिसमें जलपरी की तरह सजे कलाकार विशेष अंदाज में प्रस्तुति देंगे।यह शो बच्चों और दर्शकों के लिए काफी रोमांचक और आकर्षक साबित होगा।इसके अलावा मेले में विभिन्न प्रकार के रोमांचक झूले,हाइड्रोलिक झूला,ड्रैगन ट्रेन,ब्रेक डांस झूला सहित कई आधुनिक झूलों की व्यवस्था की गई है ।जो मेले में आने वाले लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेंगे।मेले में देश के अलग-अलग राज्यों से आए दुकानदार अपने-अपने हस्तशिल्प खिलौने,घरेलू सामान और सजावटी वस्तुओं की दुकानें लगाएंगे।साथ ही विभिन्न राज्यों के पारंपरिक खान-पान के स्टॉल भी मेले में लगाए जाएंगे,जहां लोग अलग-अलग प्रदेशों के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे।बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष रूप से खेल-खिलौनों की दुकानें छोटे झूले और मनोरंजक गतिविधियों की भी व्यवस्था की गई है। जिससे बच्चे मेले में भरपूर आनंद उठा सकेंगे।मेला प्रबंधक रंजीत साहा ने साहिबगंज जिले के सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार और

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ भव्य समापन

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : चांद भैरव क्लब रिसॉर्ट बरहरवा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का गुरुवार को भव्य कार्यक्रम के माध्यम से समापन हुआ। इस मैच का उद्घाटन पूर्व जिला परिषद सदस्य सह वर्तमान बीस सूत्री अध्यक्ष बरहरवा के अशोक दास ने फीता काट कर कियोइस आयोजन ने न केवल खेल प्रेमियों को रोमांचित कर दिया, बल्कि ग्रामीण स्तर पर एक रंगारंग मेला भी सजाया गया था जिसने स्थानीय और दूरदराज से आए आदिवासी समुदायों को एक मंच भी प्रदान किया।तीन दिवसीय टूनार्मेंट के दौरान विभिन्न टीमों ने अपनी खेल क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।फाइनल मुकाबला आज मालदा और न्यू फरक्का टीम के बीच खेला गया।इस रोमांचक मुकाबले में न्यू फरक्का की टीम ने निर्धारित समय से पहले ही मालदा की टीम को 3-0 से पराजित कर टूनार्मेंट पर कब्जा जमा लिया।दोनों ही टीमों ने मैदान में अपनी खेल प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे दर्शक उत्साहित और रोमांचित नजर आए।इस टूनार्मेंट को देखने के लिए आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए थे।ग्रामीणों और फुटबॉल प्रेमियों की उपस्थिति ने खेल को और भी जीवंत और उत्साहपूर्ण बना दिया।मैदान पर मौजूद हर दर्शक खिलाड़ियों के हर मूवमेंट पर तालियों से उत्साह बढ़ाता रहा।फुटबॉल मैच के साथ ही टूनार्मेंट में एक सांस्कृतिक पहलू भी शामिल किया गया।दूरदराज से आए आदिवासी समुदाय की महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों के दिलों को भावविभोर कर दिया।उनका नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुति ने इस खेल आयोजन को सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रहने दिया,बल्कि इसे एक सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव में बदल दिया।मुकाबले के समापन पर पूर्व जिला परिषद सदस्य और बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।विजेता न्यू फरक्का टीम को ₹50,000 और उपविजेता मालदा टीम को ₹40,000 नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।पुरस्कार वितरण समारोह में खिलाड़ियों और आयोजकों के चेहरे पर खुशी और संतोष स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था।इस टूनार्मेंट के सफल संचालन में आयोजक कमेटी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।कमेटी के अध्यक्ष बाबूजी हसदा,उपाध्यक्ष भगत हसदा, ईश्वर हसदा,गोविंद कर्मकार मंडल, किसको तथा नहीं की मरांडी ने आयोजन को सुचारु रूप से संचालित करने में अहम योगदान दिया।इसके अलावा रिसॉर्ट गांव के युवाओं ने भी मैदान व्यवस्था,सुरक्षा और दर्शकों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे टूनार्मेंट पूरी तरह व्यवस्थित और सफल रहा।आयोजकों का कहना है कि इस तरह के आयोजन न केवल खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हैं बल्कि ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के बीच सांस्कृतिक एकता को भी बढ़ावा देते हैं।फुटबॉल टूनार्मेंट के माध्यम से बच्चों और युवाओं में खेल के प्रति रुचि जागृत हुई और समुदाय में आपसी मेलजोल और उत्साह बढ़ा।स्थानीय लोग और ग्रामीण इस आयोजन से बेहद खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से खेलों के प्रति युवाओं का उत्साह बढ़ता है और वे अपनी प्रतिभा को बेहतर तरीके से प्रदर्शित कर सकते हैं। न्यू फरक्का और मालदा टीम की शानदार खेल प्रतिभा ने इस टूनार्मेंट को यादगार बना दिया।समापन समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने आयोजन की सफलता की सराहना की और आने वाले समय में ऐसे आयोजनों की अधिक संख्या आयोजित करने की अपेक्षा जताई।

तलाक और तृषा के साथ अफेयर की चर्चाओं पर विजय ने तोड़ी चुप्पी

एक्टर और राजनेता थलापति विजय इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वजह है उनकी पर्सनल जिंदगी। विजय की पत्नी ने संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए अर्जी डाली है। उन्होंने विजय के एक अभिनेत्री से अफेयर की बात कही है। इसके बाद विजय का नाम एक्ट्रेस तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। इस बीच हाल ही में विजय तृषा के साथ एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। वहीं विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर भी विवाद अभी तक थमा नहीं है। इस बीच अब विजय ने अपने आसपास की हाल ही की समस्याओं पर बात की है।

ये मुद्दे आपके परेशान होने के लिए नहीं हैं

अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने थलापति विजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यह वीडियो चेन्नई में उनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' (टीवीके) के महिला दिवस कार्यक्रम का है। इस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए विजय ने अपनी हालिया समस्याओं को लेकर बात की। वीडियो में विजय अपने प्रशंसकों से अपील करते हुए दिख रहे हैं कि वे उनकी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त न हों। उन्होंने कहा, 'कृपया मेरे आसपास की हाल की समस्याओं के बारे में चिंता न करें। ये मुद्दे आपके समय के लायक नहीं हैं। मैं इन्हें खुद संभाल लूंगा। मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है, जब आप मेरी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त होते हैं। कृपया मेरे लिए यह बोझ न उठाएं। इसके बजाय, लोगों के कल्याण पर ध्यान दें।'

पत्नी ने दायर की विजय से तलाक की याचिका

विजय की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई हैं, जब उनका निजी जीवन ऑनलाइन और मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ समय पहले ही उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए याचिका दायर की थी। विजय और संगीता का विवाह अगस्त 1999 में हुआ था और उनके दो बच्चे हैं – जेसन संजय और दिव्या शशा। पत्नी ने याचिका में आरोप लगाया गया है कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। याचिका के अनुसार, संगीता को इस कथित संबंध के बारे में 2021 में पता चला। संगीता ने बाद में निवास सुरक्षा और आर्थिक सहायता के लिए एक और याचिका दायर की।

तृषा के साथ कार्यक्रम में पहुंचे विजय

पत्नी के आरोपों के बाद विजय का नाम तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। तृषा और विजय का नाम इससे पहले भी जोड़ा गया था। हालांकि, बाद में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया, लेकिन तृषा ने अभी तक शादी नहीं की है। ऐसे में जब पत्नी ने ये आरोप लगाए, तो सोशल मीडिया पर एक बार फिर तृषा का नाम विजय के साथ जोड़ा जाने लगा। इन आरोपों के बीच विजय तृषा के साथ फिल्म निर्माता कलपथी सुरेश और मीनाक्षी के बेटे के विवाह समारोह में पहुंचे। विजय और तृषा एक ही कार में समारोह में पहुंचे और साथ ही वहां से जाते हुए भी देखे गए। इसके बाद संगीता ने एक नई याचिका भी दायर की है।

'द केरल स्टोरी' फेम

अदा शर्मा के पास 1 महीने से काम नहीं

'द केरल स्टोरी' फेम अदा शर्मा ने एक वीडियो शेयर कर अपनी आपबीती सुनाई है। एक्ट्रेस ने बताया है कि वह एक साल तीन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही थीं। लेकिन फिर हालात कुछ ऐसे बने हैं कि उनके पास 1 महीने से कोई काम नहीं हैं। वह कहती हैं, 'मेरी जिंदगी बर्बाद हो गई है। इमोशनली, मेंटली, प्रोफेशनली, फाइनेंशियली बेकार।' साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'द केरल स्टोरी' की एक्ट्रेस अदा शर्मा बीते 1 महीने से घर पर खाली बैठी हैं। उनके पास काम नहीं है। 33 साल की अदा ने वीडियो शेयर कर अपनी आपबीती सुनाई है। वह बताती हैं कि एक फिल्म के शेड्यूल में दिक्कतों की वजह से उनके दूसरे प्रोजेक्ट्स की टाइमलाइन में भी अटक गई है। इस कारण वह पिछले एक महीने से घर पर 'वेल्ली' बैठी हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में, एक प्रोड्यूसर के साथ अपने बुरे अनुभव का जिक्र किया है। बताया है कि वह बार-बार एक प्रोजेक्ट का शूटिंग शेड्यूल बदल देते थे। ऐसे में आखिरकार अदा के दूसरे प्रोजेक्ट्स के डेट्स भी आपस में क्लैश हो गए। साल 2008 में विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म '1920' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अदा शर्मा ने बताया कि एक ही समय में उन्होंने तीन प्रोजेक्ट्स के लिए कमिट किया था। हालांकि, पहली फिल्म का शेड्यूल बदलता रहा, जिससे उन दूसरे प्रोडक्शन्स की टाइमलाइन पर असर पड़ने लगा, जिन पर उन्हें काम करना था। पहली फिल्म के प्रोड्यूसर ने पहले से तय डेट्स को बनाए रखने पर जोर दिया और उनके मैनेजर पर किसी भी कीमत पर इसे पूरा करने का दबाव डाला। यहां तक की गालियां भी दीं।

अदा शर्मा ने वीडियो में सुनाया पूरा हाल

वीडियो में अदा शर्मा बताती हैं, 'उन्होंने कहा, कोई बात नहीं, मुझे ये डेट्स चाहिए। मेरे मैनेजर ने पूछा, क्या आप श्योर हो इस पर उन्होंने कहा, 'हां, मुझे ये डेट्स चाहिए। मैं श्योर हूं। इन्हें बदला नहीं जा सकता।'

'इंडस्ट्री में हर कोई बदतमीज नहीं होता'

बॉलीवुड के साथ ही तेलुगू फिल्मों में काम करने वाली अदा शर्मा के मुताबिक, जब दूसरी दो फिल्मों के डायरेक्टर्स को इस सिचुएशन के बारे में पता चला, तो उन्होंने उनके कमिटमेंट्स को पूरा करने के लिए अपने शेड्यूल में बदलाव करने का फैसला किया। एक मामले में, प्रोड्यूसर ने कथित तौर पर पूरी कास्ट की शूटिंग डेट्स बदल दीं। वह अपने अनुभव के बारे में बताते हुए कहती हैं, 'इससे पता चलता है कि इंडस्ट्री में हर कोई बुरा बर्ताव नहीं करता। आपने बहुत सुना होगा कि इंडस्ट्री में लोग बुरे हैं। लेकिन मैं आपको बताना चाहती हूं कि अच्छे लोग भी हैं। हर कोई बदतमीज नहीं होता।'

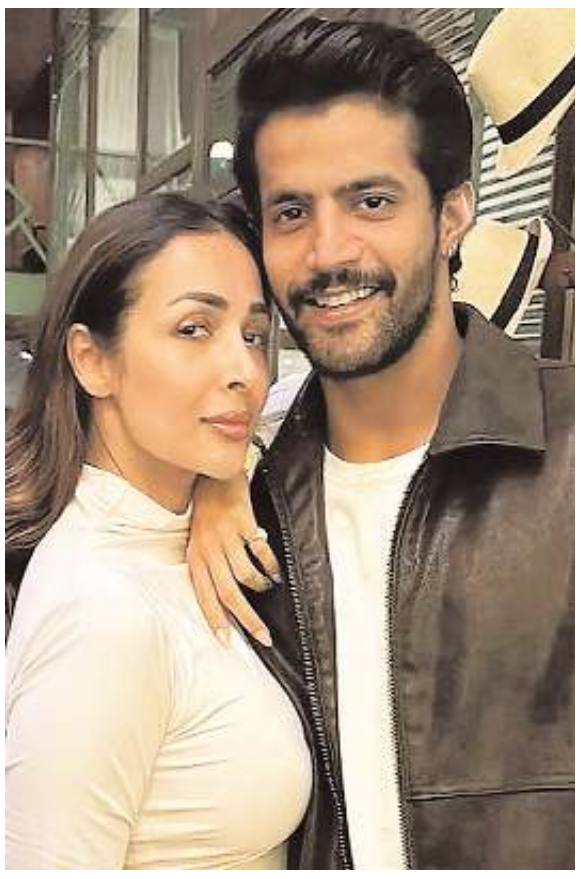

सोराब बेदी ने मलाइका अरोड़ा के साथ डेटिंग की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया, बोले- 'रिश्ता कई साल पुराना...'

मलाइका अरोड़ा और सौराब बेदी की पार्टी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। इस वीडियो के बाद से ही मलाइका और सौराब की डेटिंग की खबरें आ रही हैं, जिसे लेकर अब सोराब ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मलाइका अरोड़ा और स्प्लिट्सविला X6 के सोराब बेदी के बीच डेटिंग की अफवाहें तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर कुछ पार्टी वीडियो और फोटो वायरल होने से लोग सोचने लगे कि दोनों सिर्फ दोस्त से ज्यादा हैं। सोराब बेदी ने हाल ही में अपने और मराइका के रिश्ते को लेकर अपनी राय पेश की है और यह भी बताया कि वह एक-दूसरे को काफी साल पहले से जानते हैं।

सोराब का खुलासा

मलाइका और सोराब के ये वीडियो जुहू के रेस्टोरेंट की एक पार्टी के थे, जहां दोनों नाचते और साथ में मस्ती करते दिखे। लेकिन अब सोराब ने साफ कर दिया है कि उनके बीच कोई रोमांटिक रिश्ता नहीं है। वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में सोराब ने कहा कि उनका और मलाइका का रिश्ता कई साल पुराना है। मॉडलिंग के समय में अभिनेत्री डेलनाज दारूवाला और वाहबिज मेहता ने उन्हें मिलवाया था। दोनों उनकी अच्छे दोस्त हैं।

चमगादड़ों के बीच अक्षय कुमार पेड़ से उल्टा लटके मिले, 'भूत बंगला' के टीजर के लिए कर रहे इतने जतन!

अक्षय कुमार कीअपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' के टीजर से ठीक पहले उन्होंने अपना एक पोस्टर रिलीज किया है। इस पोस्टर में चमगादड़ों के बीच अक्षय पेड़ से उल्टा लटके नजर आ रहे हैं।

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन में जी जान लगाकर जुटे नजर आ रहे हैं। जल्द ही उनकी ये हॉरर कॉमेडी फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। हालांकि, इस वक्त फैन्स को फिल्म के टीजर का इंतजार है लेकिन इससे पहले अक्षय कुमार ने एक सरप्राइज अपने फैन्स को दिया है। अक्षय ने 'भूत बंगला' का पोस्टर जारी किया है। अक्षय कुमार ने अपनी अपकमिंग फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए एक फनी कैप्शन भी दिया है। इस पोस्टर में एक पेड़ पर चमगादड़ उल्टा लटका नजर आ रहा है। ठीक उसकी तरह इस पोस्टर में अक्षय कुमार भी नजर आ रहे हैं।

'द 50' से बाहर होने पर बोलीं दिव्या अग्रवाल, 'मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी'

रियलिटी शोज की दुनिया हमेशा से ड्रामा, रणनीति और कड़ी टक्कर के लिए जानी जाती है। इन शोज में हिस्सा लेने वाले कलाकारों को सिर्फ मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक रूप से भी काफी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार यह अनुभव कलाकारों के लिए सीख से भरा होता है। इसी कड़ी में रियलिटी शो 'द 50' से बाहर होने के बाद अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने इंटरव्यू में बड़ा बयान दिया। उन्होंने खुलकर बताया कि शो का अनुभव उनके लिए कैसा रहा और अब वह अपने करियर को किस दिशा में आगे बढ़ाना चाहती हैं। दिव्या अग्रवाल ने बात करते हुए कहा, ''मुझे इस बात की खुशी है कि मैं अब इस शो से बाहर आ चुकी हूं। यह शो काफी हद तक मेल डॉमिनेटेड था और इसमें बहुत ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी शामिल थी। शो में हर कोई खुद को नोटिस करवाने की कोशिश कर रहा था। इसी वजह से कई बार कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के बारे में अजीब और अनचाही बातें भी कह देते थे। यह माहौल कई बार असहज कर देने वाला होता था।'' दिव्या ने आगे कहा, ''मैंने यह शो अपने फैंस की वजह से किया था। लंबे समय से मेरे फैंस मुझसे कह रहे थे कि मुझे एक और रियलिटी शो में हिस्सा लेना चाहिए। इसी वजह से मैंने 'द 50' में हिस्सा लेने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, 'अब मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी। मेरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अभिनय पर रहेगा। मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं।

दुनिया में हो रहे संघर्ष चुने हुए नेताओं की नीतियों का नतीजा : फिल्ममेकर प्रकाश झा

मुंबई सत्याग्रह, राजनीति, गंगाजल, जय गंगाजल और आरक्षण जैसी गंभीर विषयों पर आधारित फिल्मों का निर्माण कर चुके निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा ने कलाकार की जिम्मेदारी के साथ ही देश-दुनिया के मौजूदा हालात पर खुलकर बात की। प्रकाश झा अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'संकल्प' को लेकर उत्साहित हैं, जिसकी निर्माता उनकी बेटी दिशा झा हैं। यह सीरीज जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस बीच प्रकाश झा ने इराक-इजरायल सहित दुनिया के मौजूदा राजनीतिक माहौल पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का वैश्विक परिदृश्य लोगों द्वारा चुने गए नेताओं का परिणाम है, जो अपनी नीतियों से समाज की दिशा तय करते हैं। प्रकाश झा ने कहा, 'यह एक रोचक समय है। लोग ऐसे नेता चुन रहे हैं जिनका दौर, विचार, राजनीति और नेतृत्व शैली सब अलग है। मेरे लिए यह दिलचस्प है कि मैंने दुनिया को बदलते देखा है और इसके पीछे के सिस्टम को समझने की कोशिश की है।' प्रकाश झा की फिल्में अक्सर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर आधारित होती हैं। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक माहौल में एक कलाकार के रूप में अपनी भूमिका पर भी प्रकाश डाला। प्रकाश झा ने बताया, 'मेरा काम है कि दुनिया में जो कुछ हो रहा है, उसे कहानियों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना और साझा करना। यही इसका मजेदार हिस्सा है। मैंने इसका आनंद लिया है और आगे भी लेता रहूंगा। मेरा स्पष्ट मानना है कि मैं समय नहीं बदल सकता। हमें समय के साथ बदलना पड़ता है। यही सत्य है। इसलिए मैं दुनिया में इन चीजों से प्रभावित होता हूं। '

पोल वॉल्ट में आर्मंड डुप्लांटिस ने 15वीं बार तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

उप्साला (स्वीडन) : स्वीडन के स्टार पोल वॉल्टर आर्मंड डुप्लांटिस ने गुरुवार को एक बार फिर इतिहास रचते हुए पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड 15वीं बार तोड़ दिया। उन्होंने उप्साला में आयोजित प्रतियोगिता में 6.31 मीटर की शानदार छलांग लगाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

26 वर्षीय डुप्लांटिस ने यह ऊंचाई अपने पहले ही प्रयास में पार कर ली। इससे पहले उन्होंने 5.65 मीटर, 5.90 मीटर और 6.08 मीटर की ऊंचाई भी पहले प्रयास में ही पार की। इसके बाद उन्होंने बार को सीधे 23 सेंटीमीटर बढ़ाकर विश्व रिकॉर्ड ऊंचाई 6.31 मीटर कर दिया और पहली ही कोशिश में इसे पार कर लिया।

डुप्लांटिस 2020 में 6.17 मीटर की छलांग लगाने के बाद से ही इस रिकॉर्ड के मालिक बने हुए हैं और लगातार इसे बेहतर करते आ रहे हैं। यह दूसरी बार है जब उन्होंने स्वीडन की धरती पर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले उन्होंने जून 2025 में स्टॉकहोम में 6.28 मीटर की छलांग लगाई थी। रिकॉर्ड बनाने के बाद डुप्लांटिस ने दर्शकों से कहा कि अपने देश में यह उपलब्धि हासिल करना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि वह अपने लिए, अपने परिवार के लिए और स्वीडन के लोगों के लिए कूदते हैं। प्रतियोगिता में नॉर्वे के सोंद्रे गुब्रेरम्सेन 6.00 मीटर की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वहीं ग्रीस के इमैनुएल करालिस 6.00 मीटर की ऊंचाई पार करने में तीनों प्रयासों में असफल रहे। अब डुप्लांटिस के पास मार्च के अंत में पोलैंड के तोरुन में होने वाली वर्ल्ड इनडोर चैंपियनशिप में अपने इस नए विश्व रिकॉर्ड को और बेहतर करने का मौका होगा।

ट्रंप बोले : ईरान को फुटबॉल विश्व कप 2026 में नहीं आना चाहिए, खिलाड़ियों की सुरक्षा पर जताई चिंता

वॉशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि ईरान की फुटबॉल टीम को आगामी फुटबॉल विश्व कप 2026 में हिस्सा नहीं लेना चाहिए, क्योंकि इससे खिलाड़ियों के ह्लजीवन और सुरक्षाह्व को खतरा हो सकता है। ट्रंप की यह टिप्पणी उस बयान के दो दिन बाद आई है, जब उन्होंने विश्व फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो से कहा था कि ईरान की टीम का इस प्रतियोगिता में स्वागत किया जाएगा।

ट्रंप ने अपने सामाजिक मंच ह्यट्रुथ सोशलह्व पर लिखा कि ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का विश्व कप में स्वागत है, लेकिन उनका मानना है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए उनका वहां आना उचित नहीं होगा। दरअसल 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के कारण ईरान की इस वर्ष होने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में भागीदारी पर अनिश्चितता पैदा हो गई है। यह प्रतियोगिता कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित की जाएगी। विश्व फुटबॉल महासंघ के प्रमुख जियानी इन्फैन्टिनो ने इस सप्ताह बताया कि व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ हुई बैठक के दौरान ईरान की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने दोहराया कि ईरान की टीम का अमेरिका में होने वाली इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए स्वागत है। इन्फैन्टिनो ने पिछले दिसंबर में विश्व फुटबॉल महासंघ का शांति पुरस्कार शुरू किया था और इसका पहला सम्मान ट्रंप को दिया गया था। मध्य पूर्व में जारी युद्ध को लेकर फुटबॉल प्रशासन के प्रमुख की यह पहली सार्वजनिक टिप्पणी मानी जा रही है। इसी सप्ताह ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई ईरान की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के मामले में भी प्रतिक्रिया दी और उन्हें शरण देने की अपील की। बताया गया कि एशिया कप के एक मुकाबले से पहले राष्ट्रीय गान नहीं गाने के कारण खिलाड़ियों को अपने देश लौटने पर कार्रवाई का डर था। बाद में ऑस्ट्रेलिया सरकार ने वहां रुकने का फैसला करने वाली पांच खिलाड़ियों को शरण देने पर सहमति जता दी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज प्रश्नकाल के बाद 77 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पेश किए जाएंगे

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के 10 वें दिन आज शुक्रवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान मंदिरों के जीर्णोद्धार का मुद्दा गूंजेगा। इसके साथ ही फ्लाईएश प्रबंधन, गौधाम योजना पर भी सवाल पूछे जाएंगे। प्रश्नकाल में मंत्री रामविचार नेताम, ओपी चौधरी, राजेश अग्रवाल जवाब देंगे। इसके अलावा सदन में आज एक साथ 77 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पेश किए जाएंगे।पहले दो ध्यानाकर्षण पढ़े जाएंगे, और मंत्री सवालों के जवाब देंगे। शेष ध्यानाकर्षण पढ़े हुए और मंत्री के जवाब दिए माने जाएंगे। सदन में विकास कार्यों से जुड़े याचिकाओं की प्रस्तुति होगी।ध्यानाकर्षण सूचनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं में कमी, अवैध उत्खनन और

सड़क निर्माण में अनियमितता जैसे गंभीर मुद्दों पर मंत्रियों का जवाब मांगा जाएगा। विधानसभा से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिन की कार्यवाही की शुरूआत शोक संदेश के साथ होगी, जिसमें अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा की पूर्व सदस्य मंगलीबाई रावटे के निधन का उल्लेख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।इसके बाद प्रश्नोत्तर काल होगा, जिसमें विभिन्न विभागों से जुड़े तारांकित और अतारांकित प्रश्नों के उत्तर संबंधित मंत्रियों द्वारा दिए जाएंगे। विधायी कार्यों के अंतर्गत वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी. चौधरी छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 से संबंधित महत्वपूर्ण अधिसूचना पटल पर रखेंगे।

आज सदन में नियम 138 (1) के अधीन कुल 77 ध्यानाकर्षण सूचनाएं शामिल की गई हैं

- अजय चन्द्राकर, धरमलाल कौशिक और धर्मजीत सिंह प्रदेश में बढ़ती चाकूबाजी, गौठान योजना में अनियमितता और डॉक्टरों की कमी जैसे मुद्दों पर गृह मंत्री, पशुधन विकास मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री का ध्यान आकर्षित करेंगे।
- हर्षिता स्वामी बघेल राजनांदगांव में जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों, पत्थर के अवैध खनन और सड़क निर्माण में देरी पर जवाब मांगेंगी।
- देवेंद्र यादव अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति और भिलाई इस्पात संयंत्र (इरढ) क्षेत्र के नागरिकों के पुनर्वास का मुद्दा उठाएंगे।
- अटल श्रीवास्तव नेशनल हाइवे निर्माण में नियमों की अनदेखी और आदिवासियों को वनाधिकार पट्टा न मिलने का मामला सदन में उठाएंगे।

दोपहर के सत्र में वित्तीय वर्ष 2026-2027 की अनुदान मांगों पर चर्चा निर्धारित है। इसके लिए तीन मुख्य मंत्रियों के विभागों को समय आवंटित किया गया है।

- टंकराम वर्मा (राजस्व मंत्री): भू-राजस्व, आपदा प्रबंधन, पुनर्वास और उच्च शिक्षा से संबंधित मांगों पर 1 घंटे की चर्चा।
- गजेन्द्र यादव (स्कूल शिक्षा मंत्री): स्कूल शिक्षा, न्याय प्रशासन और ग्रामोद्योग विभाग की मांगों पर 1 घंटे की चर्चा।
- गुरु खुशवंत साहेब (अनुसूचित जाती कल्याण मंत्री): अनुसूचित जाति कल्याण, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा से जुड़ी मांगों पर 1 घंटे का समय निर्धारित है।

सदन के अंत में तीन महत्वपूर्ण अशासकीय संकल्प प्रस्तुत किए जाएंगे।रिकेश सेन भिलाई नगर के सेक्टर-09 अस्पताल को मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के रूप में पुनः स्थापित करने का प्रस्ताव रखेंगे। वहीं, लखेश्वर बघेल आदिवासी छात्राओं के छात्रावासों के लिए केंद्र से विशेष सहायता और पुन्नूलाल मोहले रिक्त पदों पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 'विशेष भर्ती अभियान' चलाने का संकल्प पेश करेंगे।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 1,020 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में आज 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,210 रुपये से लेकर 1,62,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,48,690 रुपये से लेकर 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सराफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,62,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

घर और दुकान से ढाई सौ से अधिक कालाबाजारी के घरेलू गैस सिलेंडर बरामद

एजेंसी

अररिया : जिले के फारबिसगंज में जिला प्रशासन ने गुप्त सूचना पर बीती रात कार्रवाई करते हुए ढाई सौ से अधिक भरा घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किया है। फारबिसगंज पोखर बस्ती वार्ड संख्या 15 अंसारी चौक के पास घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी का भंडाफोड़ प्रशासन ने किया है। ।यहां फारबिसगंज एसडीएम अभय कुमार तिवारी के नेतृत्व में अवर निर्वाचन पदाधिकारी अविनाश कृष्ण ने फारबिसगंज थाना पुलिस के साथ एक घर और गोदाम बनाकर रखे ताला लगा दुकान से ढाई सौ से अधिक घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किया। छापेमारी के दौरान मो. इमरान पिता मो. साबिर के घर एवं गोदाम से ढाई सौ से अधिक गैस सिलेंडर बरामद किया गया। प्रशासन का मानना है कि ये सभी

सिलेंडर अनाधिकृत रूप से कालाबाजारी के उद्देश्य से भंडारित कर रखा गया था।मौके पर से सभी सिलेंडरों को जब्त क फारबिसगंज थाना भेजा गया है।मो.इमरान पिता मो.साबिर के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। मौके पर मौजूद एसडीएम अभय कुमार तिवारी ने बताया कि जमाखोरी और कालाबाजारी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने जिला प्रशासन को आम जनता को आश्वस्त किया कि जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर तथा व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की किसी प्रकार की कमी नहीं है। गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन एवं आपूर्ति विभाग लगातार गैस एजेंसियों के माध्यम से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। कहीं भी गैस सिलेंडरों की जमाखोरी या कालाबाजारी की सूचना मिले तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। एसडीएम अभय कुमार तिवारी ने मामले की जांच के साथ अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की बात कही।उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ताओं को मिलने वाली रसोई गैस की कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी में संलिप्त लोगों के बीच हड़कंप मच गया है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की कृत्रिम कमी और अधिक कीमत पर बिक्री की शिकायतें थीं। प्रशासन की इस कार्रवाई से ऐसे अवैध कारोबार पर रोक लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

महिला नेतृत्व और रचनात्मकता से बदल रहा विश्वः लिथुआनियाई राजदूत

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत में लिथुआनिया गणराज्य की राजदूत डायना मिकेविचेने ने कहा कि आज के वैश्विक समाज के विकास में महिलाओं का नेतृत्व और उनकी रचनात्मकता सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरे हैं। डायना मिकेविचेने ने यह बात गुरुवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के 'नारी संवाद प्रकल्प' की ओर से आयोजित 'शक्ति पर्व 2026' के भव्य आयोजन में कही। यह कार्यक्रम महिलाओं की उपलब्धियों और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को समर्पित रहा। मुख्य अतिथि के रूप में डायना मिकेविकीने ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संवाद को मजबूत

करता है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि आईजीएनसीए का नारी संवाद प्रकल्प भारतीय परंपरा में निहित स्त्री शक्ति के विभिन्न आयामों को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। भारतीय संस्कृति में नारी को सृजन ज्ञान और शक्ति के रूप में देखा गया है और ऐसे आयोजन इस परंपरा को समकालीन संदर्भों से जोड़ते हैं। इस आयोजन में साहित्य से लेकर संगीत तक के विभिन्न सत्रों को शामिल किया गया है। काव्य गोष्ठी में दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू की प्रख्यात विदुषियां जैसे प्रो. मीरा द्विवेदी, डॉ. ममता त्रिपाठी, डॉ. अंशु जोशी और डॉ. सोनी पांडेय अपनी कविताओं के माध्यम से नारी शक्ति पर चर्चा की। पैनल चर्चा में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे उम्रदराज भारतीय महिला ज्योति रात्रे, वैदिक पुरोहित आचार्य श्रुति शास्त्री, कमर्शियल पायलट कैप्टन दिशा भोरिया और कैब ड्राइवर बबली जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व ने अपने अनुभव साझा किए।।

छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक बस्तर के कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी के बीच मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले तीन दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है।बस्तर के कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है और बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से राज्य के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। दक्षिणी छत्तीसगढ़ में आने वाले तीन दिनों तक अच्छी बारिश हो सकती है।मौसम विभाग के अनुसार 13, 14 और 15 मार्च के दौरान बस्तर संभाग के कई स्थानों पर बारिश हो सकती है। मुख्य रूप से बस्तर, बीजापुर, सुकमा,

दंतेवाड़ा, नारायणपुर, और कोंडागांव जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, धमतरी, और बालोद में भी तेज आंधी और बारिश हो सकती है। इसके साथ ही इन इलाकों में तेज हवाएं भी चलने की संभावना है।हवाओं की गति करीब 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने का अनुमान है। मौसम में इस बदलाव के कारण तापमान में लगभग 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार झारखंड क्षेत्र में एक नया मौसम सिस्टम सक्रिय हुआ है। इसी सिस्टम का असर छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में भी दिखाई दे सकता है। फिलहाल राज्य में तापमान सामान्य से लगभग 2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान कई जिलों में तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा रहा है, जिसके कारण कई जगहों पर गर्मी का असर बढ़ गया है।

शेयर बाजार में गिरावट जारी, शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.17 प्रतिशत और निफ्टी 1.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आईटीसी और भारती एयरटेल के शेयर 1.09 प्रतिशत से लेकर 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, लार्सन

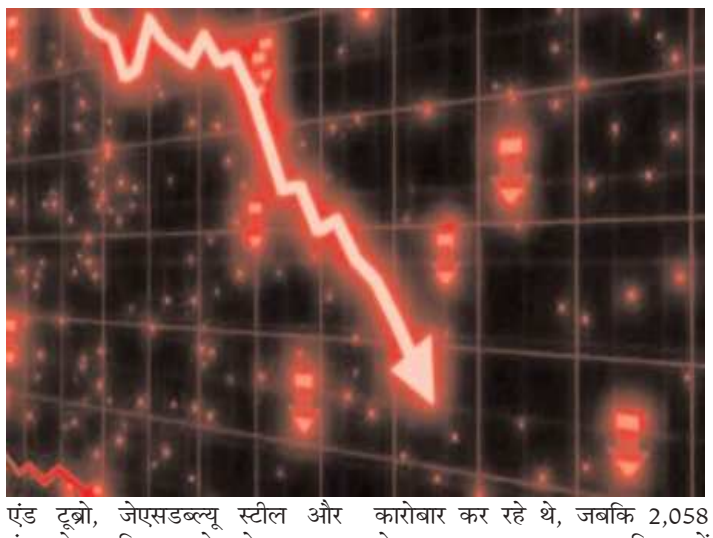

एंड टूब्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील और इंटरग्लोब एविएशन के शेयर 3.10 प्रतिशत से लेकर 1.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,617 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 559 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,058 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 24 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 590.20 अंक की कमजोरी के साथ 75,444.22 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से थोड़ी ही देर में इस सूचकांक ने 75,316.86 अंक के स्तर तक गोता लगा दिया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स उछल कर 75,576.20 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल और कमजोर होती चला गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 891.28 अंक टूट कर 75,143.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 176.65 अंक लुढ़क कर 23,462.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी उछल कर 23,492.40 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 23,344.20 अंक के स्तर तक गोता भी लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 293.10 अंक की कमजोरी के साथ 23,346.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 829.29 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,034.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 227.70 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,639.15 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा आरंभ, बांग्लादेश सरकार से की हिंदुओं के संरक्षण की मांग

नई दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का आज हरियाणा के समालखा में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले ने दीप प्रज्वलन कर विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान सरकार्यवाह की ओर से वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। संघ ने बांग्लादेश सरकार से एक बार फिर आग्रह किया कि वह अपने यहां हिंदुओं के अधिकारों का संरक्षण करे।
शुरूआती सत्रों में दिवंगत हस्तियों को श्रद्धांजलि दी गई तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकार के प्रयासों से आए सुधार और मणिपुर में संघ के प्रयासों से आए परिणाम का स्वागत किया गया। इसके अलावा बांग्लादेश सरकार से एक बार फिर आग्रह किया गया कि हिंदुओं के अधिकारों का वहां संरक्षण होना चाहिए। प्रतिनिधि सभा के प्रारंभ के बाद यहां सह सरकार्यवाह सी आर मुकुंद ने अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के साथ पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान सी आर मुकुंद ने बताया कि सर कार्यवाह ने अपने प्रतिवेदन में यह जानकारी दी कि संघ के शताब्दी वर्ष में किए गए प्रयासों से 4000 स्थान पर 5000 से अधिक शाखाओं में वृद्धि हुई है। गृह संपर्क अभियान के तहत संघ के कार्यकर्ता 10 करोड़ परिवारों तक पहुंचे हैं। तीन लाख से अधिक गांव में संघ के कार्यकर्ता गए हैं। केरल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां संघ के कार्यकर्ता साम्यवादी विचारधारा, मुसलमानों और क्रिश्चियन परिवारों से भी मिले हैं। अकेले केरल में 55,000 से अधिक मुस्लिम और 54,000 से अधिक क्रिश्चियन परिवारों में संघ के कार्यकर्ता संघ और समाज से जुड़े विषय लेकर गए हैं। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष के नाते 36,000 से अधिक स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए हैं। वहीं इस दौरान सरसंघचालक मोहन भागवत की देश के चार महानगरों में व्याख्यान माला आयोजित की गई। इसमें सरसंघचालक ने 20 से अधिक घंटे में 1000 से अधिक प्रश्नों का उत्तर दिया।

राज्यसभा चुनावः क्रॉस वोटिंग की आशंका, ओडिशा के कांग्रेस विधायक बेंगलुरु के पास रिसॉर्ट में ठहराए गए

बेंगलुरु : आगमी 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की आशंका के मद्देनजर ओडिशा के कांग्रेस विधायकों को बेंगलुरु लाया गया है। इन नौ विधायकों के रामनगर जिले के बिदादी स्थित वंडरला रिसॉर्ट में ठहराया गया है। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास के नेतृत्व में पार्टी के 14 विधायकों में से नौ विधायक देररात बेंगलुरु पहुंचे। सूत्रों के अनुसार शेष विधायक भी आज बेंगलुरु पहुंच सकते हैं। मतदान के दिन इन विधायकों के भुवनेश्वर लौटने की संभावना है। इस बार राज्यसभा चुनाव में भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप रे मैदान में हैं। उन्हें जिताने के लिए क्रॉस वोटिंग कराए जाने की आशंका से कांग्रेस चिंतित है। इसी कारण विधायकों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें बेंगलुरु लाया गया है, ऐसा पार्टी सूत्रों का कहना है। कांग्रेस ने इस चुनाव में बीजेडी उम्मीदवार डॉ. दतेश्वर होता को समर्थन देने की घोषणा की है। संख्याबल के लिहाज से बीजू जनता दल और कांग्रेस के पास दूसरी सीट जीतने के लिए पर्याप्त मत हैं, फिर भी दिलीप रे के मैदान में उतरने से कांग्रेस की चिंता बढ़ गई है। वर्ष 2022 के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस और बीजेडी के लगभग 12 विधायकों के क्रॉस वोटिंग किए जाने की पृष्ठभूमि को देखते हुए इस बार विशेष सतर्कता बरती जा रही है। रिसॉर्ट पहुंचने पर विधायकों का राज्य कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने स्वागत किया। वंडरला रिसॉर्ट के आसपास कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

ड्रोन से पीछा कर 11 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक : टोंक में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस ने बड़ा अभियान चलाते हुए चेजा पत्थर माफिया पर छापामार कार्रवाई की। डीएसटी और क्यूआरटी टीम के साथ तीन थानों की पुलिस ने ड्रोन की मदद से खनन माफियाओं का पीछा कर 11 पत्थरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त कर लीं। इस दौरान अवैध खनन में शामिल तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई जिला मुख्यालय से जयपुर रोड की ओर करीब पांच किलोमीटर दूर कच्चा-बंधा वन क्षेत्र में की गई। पुलिस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। कई माफिया ट्रैक्टर-ट्रॉलियां छोड़कर पहाड़ी रास्तों से फरार हो गए। यह कार्रवाई डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा के नेतृत्व में की गई। इसमें डीएसटी (जिला स्पेशल टीम), क्यूआरटी (क्विक रिस्पॉन्स टीम) के साथ कोतवाली, सदर और पुरानी टोंक थाना पुलिस शामिल रही। सशस्त्र पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। सबसे पहले पुलिस ने अवैध खनन की लोकेशन ट्रेस की और इलाके से निकलने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया। इसके बाद एक साथ दबिश दी गई। पुलिस टीमों को देखते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक पत्थरों से भरे वाहन लेकर भागने लगे, लेकिन ड्रोन के जरिए उनका पीछा कर 11 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर लिया गया। मौके से दो बाइक भी बरामद की गई हैं। पुलिस से बचने के लिए एक चालक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को तेज गति से भगाया, लेकिन इस दौरान ट्रॉली पलट गई। हालांकि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस के अनुसार जहां खनन किया जा रहा था वह अरावली पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है, जहां खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। निगरानी की कमी का फायदा उठाकर यहां लंबे समय से अवैध खनन किया जा रहा था। कार्रवाई के बाद पुलिस ने वन विभाग को मौके पर बुलाया। वन विभाग के एसीएफ अनुराग महर्षि समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और आगे की कार्रवाई शुरू की गई।

राजस्थान में गैस संकट गहरायाः एजेंसियों पर लंबी लाइनें, कई रेस्टोरेंट बंद, 29 लाख लीटर केरोसिन आवंटित

जयपुर : राजस्थान में रसोई गैस की सप्लाई प्रभावित होने से हालात गंभीर होते जा रहे हैं। प्रदेश के कई शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, जबकि होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैस की कमी के कारण कई रेस्टोरेंट बंद होने लगे हैं और कई जगहों पर मेन्यू में कटौती करनी पड़ी है। अलवर में गैस सिलेंडर की किल्लत तेजी से बढ़ गई है। मालवीय नगर स्थित गैस सर्विस पर शुक्रवार सुबह पांच बजे से ही लोग लाइन में लग गए। एजेंसी खुलने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिलने से नाराज ग्राहक पुलिस से भी उलझ गए। एजेंसी पर बोर्ड लगा दिया गया कि 10 मार्च तक बुकिंग कराने वालों को ही सिलेंडर मिल सकेंगे। गैस की कमी का असर होटल और रेस्टोरेंट व्यवसाय पर भी पड़ा है। उदयपुर के कई होटलों में गैस सिलेंडर का स्टॉक खत्म होने लगा है। एक होटल के संचालक राजेश अग्रवाल ने बताया कि स्टाफ को इंडक्शन कुकटॉप पर खाना बनाने की ट्रेनिंग दी गई है और अब चाय, पराठा और नाश्ता इंडक्शन पर बनाकर रूम सर्विस दी जा रही है। वहीं, उदयपुर के एक अन्य होटल एंड रेस्टोरेंट में कॉमर्शियल सिलेंडर की कमी के कारण ब्रेकफास्ट और लंच सेवा अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ी है। कोटा के लैंडमार्क सिटी क्षेत्र में एक हॉस्टल के मेस में गैस नहीं मिलने के कारण लकड़ी और कोयले की भट्टियों पर छात्रों के लिए रोटी-सब्जी बनाई जा रही है। जयपुर में चांदपोल स्थित संजय सर्किल पर जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से गैस किल्लत के चलते सांकेतिक विरोध किया गया। लकड़ी से चूल्हा जलाकर खाना बनाया गया। एलपीजी सिलेंडर की शव यात्रा निकालकर नाराजगी जाहिर की। केंद्र और राजस्थान सरकार का पुतला फूंका। प्रदर्शन में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा, विधायक अमीन कागजी और रफीक खान सहित कांग्रेसी नेता कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदेश के कई इलाकों से घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी की भी शिकायतें सामने आ रही हैं। गैस की कमी के कारण लोग अधिक कीमत देकर सिलेंडर खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। तेल कंपनियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग के लिए 45 दिन का अंतराल तय किया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह अवधि 25 दिन रखी गई है। गैस संकट के बीच केंद्र सरकार ने राज्यों को केरोसिन आवंटित किया है। पूरे देश में 48,240 किलोलीटर केरोसिन का आवंटन किया गया है, जिसमें राजस्थान को 2,928 किलोलीटर यानी लगभग 29 लाख 28 हजार लीटर केरोसिन दिया गया है।

गैस सिलेंडर को लेकर अफवाहों से बचें, सर्वर स्लो होने से आई थी बुकिंग में दिक्कतः डीएम

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत की चर्चाओं के बीच जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने स्पष्ट किया है कि जनपद में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। तकनीकी कारणों से ऑयल कंपनियों के सर्वर स्लो होने के चलते गुरुवार को ऑनलाइन बुकिंग में कुछ समय के लिए समस्या जरूर आई थी, लेकिन इसका समाधान किया जा रहा है और जल्द ही बुकिंग व डिलीवरी पहले की तरह सुचारु हो जाएगी। डीएम ने बताया कि सर्वर की धीमी गति के कारण उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग में परेशानी का सामना करना पड़ा, जिससे कई जगहों पर किल्लत की अफवाहें फैल गईं।

न्यूज IN ब्रीफ

दो बाइक की टक्कर में युवक की मौत

हुसैनाबाद, पलामू: जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव के पास दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में कुर्मिपुर निवासी निरंजन ठाकुर (35) की मौत हो गई। वह भैरोपुर गांव से मुंडन कार्यक्रम से लौट रहे थे, तभी दुर्घटना हो गई। घटना गुरुवार की देर शाम की है। घटना में गंभीर रूप से घायल निरंजन ठाकुर को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों बाइकों को जब्त कर लिया है, जबकि दूसरा बाइक चालक फरार है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

चतरा में सड़क दुर्घटना में चार नाबालिगों की मौत

चतरा : जिले के पिपरवार थाना क्षेत्र में गुरुवार की शाम लगभग 08 बजे एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन से आमने-सामने की टक्कर में चार नाबालिगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना पिपरवार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिपरवार-टंडवा सड़क पर चिरैयाटांड़ में हुई। घटना के बाद नाराज स्थानीय निवासियों ने देर रात को शव के साथ प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया। समाचार लिखे जाने तक जाम जारी था।इस संबंध में पिपरवार के थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि गुरुवार रात चिरैयाटांड़ के पास एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन से आमने-सामने की टक्कर में 14 से 17 वर्ष की आयु के चार नाबालिगों की मौत हो गई। मृतकों में बाराडीह गांव निवासी मंजीत कुमार (17) विकास कुमार (16) अर्पण महतो (17) और हफुआ निवासी सोनू कुमार (18) के रूप में हुई है। सभी ज्ञानदीप विद्या निकेतन के छात्र थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पीड़ित बाइक पर जा रहे थे जब बचरा (पिपरवार) की तरफ से आ रहे चार पहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।थाना प्रभारी ने बताया कि इनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे ने बचरा क्षेत्रीय अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद रांची के राजेंद्र आयुर्वेद संस्थान (आरआईएमएस) ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।गुस्से में आए स्थानीय लोगों ने पिछले 12 घंटों से रास्ता जाम कर रखा है। वे मुआवजे की मांग कर रहे हैं।अंतिम समाचार लिखे जाने तक जाम स्थल पर कोई भी प्रशासनिक अधिकारी वार्ता के लिए नहीं पहुंचे थे।

डीडीसी ने की प्राथमिक स्वलंबी सहकारी समिति की समीक्षा

दुमका : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (खरछढर) के तहत ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को जिले के गोपीकांदर प्रखंड स्थित गोपीकांदर अजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वलंबी सहकारी समिति लिमिटेड के कार्यालय में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में एक विशेष समीक्षा सह संवाद बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त के साथ खरछढर के जिला कार्यक्रम प्रबंधक (ऊढट), संबंधित प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (इढट), संकुल स्तरीय सहकारी समिति के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स (इडऊ), ऑफिस बेयरर्स (डइ) तथा संकुल अंतर्गत कार्यरत कैडर सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संकुल द्वारा संचालित गतिविधियों, उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

उप विकास आयुक्त श्री सचान ने कहा कि झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को संगठित कर उन्हें स्थायी एवं सुदृढ़ आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि संकुल के माध्यम से प्रत्येक पंचायत एवं गाँव के पात्र परिवारों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले और परिवार आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने संकुल के इडऊएवं डइ सदस्यों से क्षेत्र में पहले से संचालित व्यवसाय, खेती तथा अन्य आजीविका गतिविधियों से जुड़े परिवारों की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने इन गतिविधियों को और अधिक विस्तार देने तथा नए संभावित आजीविका अवसरों के सृजन पर भी चर्चा की।

समीक्षा के क्रम में संकुल को प्राप्त उक्क्ष्ट (उङ्के४ल्ल३८ क्ल्ल५ी२३ेल्ल३ ऋ४ल्ली) राशि के उपयोग की भी समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त श्री सचान ने निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि उक्क्ष्टकी राशि शत-प्रतिशत पात्र समूह सदस्यों तक ऋण के रूप में पहुँचे। इसके लिए आवश्यक आकलन करते हुए शेष सदस्यों तक ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि क्क्ष्छ के तहत जुड़े इच्छुक एवं सक्षम लाभुकों को चिन्हित कर फल एवं सब्जियों की व्यावसायिक खेती, उत्पादन इकाइयों की स्थापना तथा समूह आधारित उद्यमों को बढ़ावा दिया जाएगा। चयनित लाभुकों को प्रशिक्षण, बैंक लिंकेज, वित्तीय समन्वय, तकनीकी मार्गदर्शन एवं निरंतर सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे सफलतापूर्वक अपनी आजीविका गतिविधियों का संचालन कर सकें।

उप विकास आयुक्त श्री सचान ने खरछढर की टीम, संकुल के इडऊ सदस्यों तथा कैडर को निर्देशित किया कि लाभुकों की पहचान, योजना निर्माण तथा क्रियान्वयन की प्रक्रिया में बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करें, जिससे कोई भी पात्र परिवार आजीविका के अवसर से वंचित न रहे।

बैठक के अंत में जिला कार्यक्रम प्रबंधक, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक एवं संकुल प्रतिनिधियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए क्षेत्र में आजीविका गतिविधियों के विस्तार तथा ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा बैठक में उपायुक्त सख्त

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में उद्योग विभाग से संबंधित केंद्र प्रायोजित महत्वपूर्ण योजनाओं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना तथा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने दोनों योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अग्रणी जिला प्रबंधक (छऊट) एवं विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों को 10 दिनों के भीतर निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया में हो रही धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लाभुकों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।उपायुक्त ने सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि लंबित आवेदनों का त्वरित निष्पादन करते हुए समयबद्ध तरीके से स्वीकृति प्रदान करें। बैठक में उपस्थित शाखा प्रबंधकों ने निर्धारित समयावधि के भीतर लक्ष्य पूर्ण करने के लिए सहमति भी जताई।बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में चतरा जिले का लक्ष्य 94 इकाई का है। इसके लिए कुल 330 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 184 आवेदन को विभिन्न शाखाओं से अस्वीकृत कर दिया गया। वर्तमान में 113 आवेदन विभिन्न बैंकों में लंबित हैं, जबकि अब तक 33 आवेदनों को बैंकों द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है।वहीं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिले का लक्ष्य 25 इकाई निर्धारित है। इसके लिए 116 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 65 आवेदन विभिन्न शाखाओं द्वारा अस्वीकृत किए गए हैं।

कला और संस्कृति के 'वटवृक्ष' हैं तपन कुमार घोषः 30 वर्षों का अनवरत सेवा सफर

संवाददाता

चक्रधरपुर : शहीद बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी की पहचान अब केवल उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि कला और संस्कृति के केंद्र के रूप में भी सशक्त हो रही है। इस बदलाव के पीछे तपन कुमार घोष जैसे समर्पित साधकों का 30 वर्षों का कठिन परिश्रम है। चित्रकला, मूर्तिकला, अभिनय, पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री घोष ने अपना पूरा जीवन झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में लगा दिया है।

सांस्कृतिक क्रांति का शंखनाद

16 नवंबर 1966 को पश्चिमी सिंहभूम के गुवा (बड़ा जामदा) में जन्मे तपन कुमार घोष ने रांची विश्वविद्यालय से इतिहास में एम.ए. किया। उन्होंने महसूस किया कि कला और साहित्य ही समाज को सही दिशा दे सकते हैं। इसी उद्देश्य के साथ 1995 में उन्होंने एक मंच की स्थापना की, जो आज

'अखिल भारतीय संस्कृति विकास महासंघ' के रूप में एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। इस संस्था के माध्यम से उन्होंने सैकड़ों कलाकारों को तराशा और उन्हें राष्ट्रीय मंच प्रदान किया।

सिनेमा और साहित्य के माध्यम से सामाजिक संदेश

तपन कुमार घोष केवल मंच तक सीमित नहीं रहे, उन्होंने सिनेमा की ताकत को

समझाः

फिल्म निमार्णः देशभक्ति पर आधारित फिल्म 'कसम तिरंगा की' और मॉब लिंचिंग जैसे संवेदनशील विषय पर बनी शॉर्ट फिल्म 'बिसकिट' उनकी गहरी सामाजिक सोच को दर्शाती है।

वर्तमान प्रोजेक्टः इन दिनों वे पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित फीचर फिल्म 'एक और जंग जंगल की' पर काम कर रहे हैं।

अभिनयः उन्होंने 'उलगुलानः एक क्रांति' और 'धरती आबा' जैसे धारावाहिकों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाकर भगवान बिरसा मुंडा की गाथा को जन-जन तक पहुँचाया।

पत्रकारिताः 1996 से निरंतर 'वनफूल सांस्कृतिक पत्रिका' के संपादक के रूप में वे निष्पक्ष और निस्वार्थ पत्रकारिता की मिसाल पेश कर रहे हैं।

मानवाधिकारों के प्रहरी

पिछले 13 वर्षों से 'इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन' के प्रदेश महासचिव के रूप में वे झारखंड के पिछड़े क्षेत्रों में लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। खास बात यह है कि उनके अधिकांश रचनात्मक कार्य बिना किसी सरकारी आर्थिक सहायता के, 'क्राउड फंडिंग' के माध्यम से संपन्न होते हैं।

सम्मानों की लंबी फेहरिस्त

उनकी सेवाओं के लिए उन्हें दर्जनों राष्ट्रीय और राजकीय सम्मानों से नवाजा गया है, जिनमें प्रमुख हैंः

झारखंड राजकीय सम्मान (2004)

झारखंड गौरव सम्मान (2014)

बेस्ट सोशल फिल्म अवार्ड (2024 - फिल्म 'बिसकिट')

पत्रकार रत्न सम्मान (2025 - नई दिल्ली)

₹कला, संस्कृति और साहित्य मानव जीवन का आधार हैं। इनके बिना मानवीय जीवन को प्रेरणा नहीं मिल सकती। – तपन कुमार घोष

खड़िया समुदाय ने अमृत चिराग तिर्की को भेंट की पुस्तक स्वशासन की धरोहर

सिमडेगा : खड़िया समुदाय के पारंपरिक स्वशासन डाकला सोहोर से जुड़े पारंपरिक पदाधिकारियों सह अधिवक्ताओं ने समाज और स्वशासन से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तक ह्लस्वशासन की धरोहरह्व भारत आदिवासी पार्टी सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की को भेंट की।

इस अवसर पर खड़िया समुदाय पारंपरिक स्वशासन डाकला सोहोर के सुशील सोरेंग महासोहोर सह अधिवक्ता, अलेक्स जॉनसन केरकेट्टा कलो सह अधिवक्ता तथा जॉन एलविस कुल्लू सोहोर सह अधिवक्ता–जो सभी सिमडेगा कोर्ट के अधिवक्ता भी हैं–ने संयुक्त रूप से यह पुस्तक उन्हें प्रदान की।

यह पुस्तक लेखक सह हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रश्मि कात्यायन एवं रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता सुशील उरांव द्वारा लिखी गई है। पुस्तक में झारखंडी पहचान, आदिवासी लोकतंत्र और संवैधानिक प्रावधानों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों का विस्तृत

विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

पुस्तक में विशेष रूप से पेसा अधिनियम 1996, पेसा नियमावली 2025, भारत के संविधान में अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष प्रावधान, पांचवीं अनुसूची, अनुच्छेद 244 (1), अनुसूचित क्षेत्रों में संवैधानिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था, अनुसूचित क्षेत्रों में झारखंड राज्य आदेश 2007, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश 1950 सहित कई संवैधानिक प्रावधानों की विस्तृत चर्चा की गई है।इसके साथ ही पुस्तक में झारखंड में आदिवासी भूमि संरक्षण से जुड़े कानून, छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (उठळ अ३), संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (रढळअ३), और पेसा अधिनियम नियमावली की रूपरेखा तथा न्यायिक दृष्टिकोण का व्यापक विश्लेषण किया गया है। साथ ही शहरी आदिवासी शासन, नगर पालिका (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) टएरअ अधिनियम 2001 सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों को भी पुस्तक में समाहित किया गया है।

राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव की तैयारियों को ससमय करें पूर्ण : उपायुक्त

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को बाबा बैद्यनाथ महोत्सव, 2026 के आयोजन को लेकर समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गई कि तीन दिवसीय बाबा बैद्यनाथ महोत्सव का आयोजन स्थानीय के-केएन स्टेडियम देवघर में किया जायेगा। इसको लेकर 16, 17 एवं 18 मार्च, 2026 की तिथि निर्धारित की गयी है। ऐसे में संबंधित विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ महोत्सव से जुड़े कार्यों को ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करें, ताकि राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव सभी के लिए अविश्वरणीय रहे।

बैठक में दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्लान के अलावा आमजनों की सुविधा, बैठने की व्यवस्था, भव्य पंडाल, अतिथि

आवासन, साफ-सफाई, पेयजल एवं शौचालय, विद्युत व्यवस्था, जुड़े बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों व कार्यपालक अभियंताओं को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। साथ ही आगे उपायुक्त ने महोत्सव को लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के साथ स्थानीय स्कूली बच्चों को महोत्सव से जोड़ने का निदेश दिया। साथ ही उपायुक्त ने महोत्सव के दौरान वाहनों के पड़ाव स्थल हेतु क्लब ग्राउंड और सर्राफ स्कूल कैम्पस को चिन्हित कर आवश्यक व्यवस्था व सुरक्षा इंतजाम को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। आगे महोत्सव के दौरान भजन, फिल्मी संगीत, खोरठ व झूमर, कत्थक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य के साथ बॉलीवुड के मशहुर गायिकों के द्वारा अपनी प्रस्तुति दी जायेगी।

राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव का 16 मार्च को होगा भव्य उद्घाटन....

बैठक के दौरान उपायुक्त श्री नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जानकारी दी कि गई कि राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव, 2026 का उद्घाटन दिनांक 16 मार्च को स्थानीय के.के.एन स्टेडियम में किया जाएगा।

जायका परियोजना के तहत दीदी-दादा को कराया गया एक्सपोजर विजिट

मसलिया : जायका परियोजना के तहत मसलिया प्रखंड के कठलिया संकुल के विभिन्न गांवों से आए दीदी एवं दादा को रांची जिला के ओरमांझी प्रखंड के मातातु गांव में एक्सपोजर विजिट कराया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को माइक्रो ड्रिप इरिगेशन तकनीक से खेती करने वाले किसान के खेत का भ्रमण कराया गया। किसानों द्वारा तैयार किए गए पैच को दिखाते हुए इस तकनीक से खेती करने की विधि और उससे होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई। सभी दीदी एवं दादा ने लाभुक किसान से माइक्रो ड्रिप इरिगेशन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मौके पर बीपीओ-एलएच प्रशांत कुमार ने उपस्थित दीदियों को एमडीआई तकनीक से खेती करने के तौर-तरीकों तथा इसके फायदे के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

सीएम से आईएएस में नव प्रोन्नत झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने की मुलाकात

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में नव प्रोन्नत झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने सभी नव प्रोन्नत आईएएस अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इन अधिकारियों से कहा कि अब तक के सेवा काल मे आप सभी जिस तरह राज्य के विकास में अहम योगदान देते आ रहे हैं और आगे भी इसी तरह हर व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं का समाधान पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ निभाएंगे। आप सभी के सहयोग से ही राज्य का सर्वांगीण विकास संभव है। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले नव प्रोन्नत आईएएस अधिकारियों में दिलेश्वर महतो, इश्तियाक अहमद, विद्यानंद शर्मा पंकज, संगीता लाल, रोबिन टोप्पो, अनिलसन लकड़ा, अरुण कुमार सिंह, नागेंद्र पासवान, आसिफ इकराम, नीरज कुमार सिंह, जुल्फिकार अली, अर्चना मेहता एवं आलोक शिकारी कच्छप शामिल थे।

कौलेश्वरी विकास प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

चतरा : जिले हंटरगंज प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में गुरुवार को मां कौलेश्वरी विकास प्रबंधन समिति की एक अहम बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सह चतरा अनुमंडल पदाधिकारी मोहम्मद जहूर आलम ने किया।जबकि संचालन समिति के सदस्य, समाजसेवी सह शिक्षक रविन्द्र कुमार रवि ने किया।इस मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि,जोरी थाना प्रभारी अमित कुमार,हंटरगंज थाना सब इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम अग्निहोत्री, जिप सदस्य सुरेश पासवान, समिति के सदस्य कौशलेंद्र कुमार सिंह, युगल किशोर सिंह,अरुण कुमार सिंह, केदलीकला मुखिया अशोक यादव, पिंटू सिंह, रामबाबू, दिलीप दास, बसंती पन्ना,अमरेंद्र कुमार सिंह,अशर्फी सिंह,राजू दास, मिथलेश श्रीवास्तव, विधायक प्रतिनिधि रौशन सिंह,अरुण चौरसिया, जितेंद्र रजक, प्रधान पुजारी मिथलेश मिश्रा के अतिरिक्त कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस मौके पर कई अहम बिंदुओं पर चर्चा किया गया। पूर्व की बैठक के प्रस्ताव पर बिंदु वार चर्चा किया गया।इस दौरान बैठक में कौलेश्वरी मेला को लेकर विचार - विमर्श किया गया।कौलेश्वरी पर्वत पर राम नवमी के अवसर पर लगने वाले मेले पर श्रद्धालुओं को सरल एवं सहूलियत पहुंचाने पर बल दिया गया। साथ ही मंदिर के विकास पर भी जोर दिया गया। अन्य अतिरिक्त मंदिर निर्माण पर जोर दिया गया है। ।मंदिर और पहाड़ी क्षेत्र एवं तलहटी के इर्द गिर्द में फैली गंदगी को दूर करने पर जोर दिया गया, अतिरिक्त सफाई कर्मी बहाल करने की बात कही गई।प्रत्येक 11 तारीख को प्रखंड स्तरीय बैठक होगी वहीं अनुमंडल स्तर की बैठक तीन माह में प्रत्येक 11 तारीख को किया जाएगा।सदस्यता शुल्क देकर सदस्य बनने वालों को अनुमंडल स्तर से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम ने कहा कि दो दिवसीय कौलेश्वरी महोत्सव, 15 -16 अक्टूबर को ऐतिहासिक होगा। जबकि 17 को मंदिर का अनुष्ठान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समिति के सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया।

स्व. प्रो. डॉ. राधेश्वर मिश्र की पचीसवीं पुण्यतिथि पर विशेष

संघर्ष उनके जीवन का मूलमंत्र और परिश्रम साधना थी

प्रो. विकास मिश्रा

चक्रधरपुर : शिक्षाविद डॉ. राधेश्वर मिश्रा हिंदी जगत के ऐसे जाज्वल्यमान नक्षत्र थे जिनकी प्रतिभा से क्षेत्र ,क्षेत्र की शिक्षा, साहित्य व समाज आलोकित होता था। उनमें श्रद्धा, विश्वास, निच्छलता, लोकसेवा व विवेक का अद्भुद समन्वय था। संघर्ष उनके जीवन का मूलमंत्र था तथा परिश्रम साधना थी। उनकी श्रीमद् भागवतगीता के श्लोक 'कर्मन्नेवाधिकारस्ते मा फलेशु कदाचन' में गहरी आस्था थी। वे जीवन भर अथक परिश्रम करते रहे।

डॉ. मिश्रा ने जीवन पर्यन्त कड़ा संघर्ष किया। विपरीत परिस्थितियों में भी अपने मुकाम पर पहुंचे, कठिन से कठिन समय में भी हिम्मत नहीं हारी, उनका जमकर मुकाबला किया। पश्चिम सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर जैसे छोटी सी जगह पर रहने के बावजूद अपनी विद्वता व बहुमुखी प्रतिभा के दम पर पूरे राज्य (अविभाजित बिहार) के हिंदी जगत में अपनी पहचान बनायी।

डॉ. मिश्रा आजादी से पूर्व लगभग 1944 में औरंगाबाद से चक्रधरपुर आये। उस समय उनकी उम्र पांच-छह साल की थी। इनके पिता स्व. तारकेश्वर मिश्रा, चक्रधरपुर के मारवाड़ी प्राथमिक विद्यालय पापड़हाता में प्रधानाध्यापक थे। उस समय देश की राजनीतिक स्थिति गंभीर थी। स्वतंत्रता आंदोलन चरम पर था। उस समय साहित्यकारों की रचनाएं लोगों को उत्प्रेरित कर रही थी। अंग्रेजी हुकूमत का दमन चक्र तेज था। उस समय परिवार का आर्थिक संकट इन सारी परिस्थितियों ने उनके अंदर

गंभीर व विवेकशील व्यक्तित्व का निर्माण किया। उन्होंने विचार किया, यह समय भविष्य के निर्माण का है। तभी समाज व राष्ट्र की सेवा की जा सकती है। वे सब कुछ भूल कर पढ़ाई-लिखाई में लग गये।

चक्रधरपुर के मारवाड़ी उच्च विद्यालय से इन्होंने मैट्रिक की परीक्षा 1954 में में अच्छे अंकों से पास की। 1958 में उन्होंने स्नातक की डिग्री हासिल की। इस वर्ष इनकी प्रतिभा को देखकर वहीं के मारवाड़ी उच्च विद्यालय में शिक्षक के पद पर नियुक्त कर लिया गया। इस बीच उनका स्वाध्याय व स्वतंत्र लेखन चलता रहा। वर्ग में डॉ. मिश्रा के पढ़ाने की शैली इतनी आकर्षक थी कि उनके पढ़ाये पाठ छात्रों को भली भांति याद हो जाते थे। उनकी प्रतिभा को देखते हुए शीघ्र ही उन्हें प्रोन्नति दे कर विद्यालय का उप प्राचार्य बना दिया गया। इसके बाद भी उनके मन में आगे पढ़ने की चाह बनी रही। उन्होंने 1961 में हिंदी विषय में स्नातकोत्तर किया। तत्पश्चात 1978 में चक्रधरपुर के जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय में हिंदी के व्याख्याता बने। इनके ज्ञान का लोहा इस क्षेत्र के हिंदी व अंग्रेजी के विद्वान भी मानते थे क्योंकि हिंदी के शिक्षक रहने के बावजूद अंग्रेजी भाषा व साहित्य पर भी उनकी अच्छी पकड़ थी। जब 1967 में इस महाविद्यालय की स्थापना की गयी थी तो उसके शासी निकाय के आग्रह पर उन्होंने 1967 से 1974 तक अवैतनिक शिक्षक के रूप में कार्य किया था। इसके बाद 1983 में इन्होंने पीएचडी की उपाधि ग्रहण की। इसके बाद रांची विश्वविद्यालय की मेधा स्कीम के तहत 1986 में उन्हें रीडर के पद पर प्रोन्नति मिली। इसके बाद इन्होंने कई छात्रों के शोध कार्य में मार्गदर्शन कर सहयोग किया। गरीब छात्रों की आर्थिक मदद कर-के भी उन्होंने उनकी पढ़ाई रूकने नहीं दी। हतोत्साहित छात्रों को समझा बुझा कर उन्हें पढ़ने को प्रेरित किया। इस बीच वे हिंदी की सेवा करते रहे। उन्होंने बहुत ज्यादा नहीं लिखा, लेकिन जो भी लिखा वह प्रेरणादायक रहा। सेवानिवृत्ति तक वे जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय में हिंदी के विभागाध्यक्ष बने रहे।

मृदुभाषी व संघर्षशील डॉ. मिश्रा स्वयं प्रकृति की सुंदर व यथार्थवादी कविता थे। जीवन का दर्शन थे। उनके अप्रत्याशित निधन से साहित्यप्रेमी मर्माहत हैं। इस क्षेत्र का सह हिंदी जगत

काल के इस क्रूर कृत्य को नहीं भूला पा रहा है। अश्रुपूरित नेत्रों से अपने इस सुपुत्र को श्रद्धांजलि देने के सिवा कोई विकल्प नहीं बचा उसके पास। लेकिन सत्य तो यह है कि डॉ. मिश्रा आज भी लोगों के बीच हैं तथा उनके द्वारा किया गया कार्य लोगों के बीच उन्हें हमेशा जीवित रखेगा।